राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 13
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शनिवार 13 दिसंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 दिल्ली नोएडा एयरपोर्ट डायरेक्ट रैपिड रेल की कनेक्टिविटी
पेज 4 किर्गिस्तान में फंसे पीलीभीत के 12 लोगों की जल्द होगी घर
पेज 6 सूर्यकुमार ने हार की जिमेदारी ली, अक्षर को पहले भेजे जाने के

राहुल ने कहा- सरकार प्रदूषण रोकने का प्लान बनाए

रिजिजू बोले- हम संसद में चर्चा को तैयार; अनुराग ठाकुर बोले- तमिलनाडु सरकार सनातन धर्म विरोधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'हमारे देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं।'

राहुल ने कहा, यह एक अहम मुद्दा है। मुझे पूरा यकीन है कि सरकार और हमारे बीच इस मामले पर एक सहमति होगी। इस सदन में मौजूद हर सदस्य इस बात से सहमत होगा कि प्रदूषण के कारण देश के लोगों को जो नुकसान हो रहा है, उस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने तमिलनाडु में दीपक जलाने की मांग पर हिंदुओं पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। उन्होंने तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- तमिलनाडु सनातन धर्म के विरोध का प्रतीक बन गया है।

इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार ने पहले दिन से ही अपना रुख साफ कर दिया था कि हम सभी अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टी के नेताओं से सुझाव लेने के लिए भी तैयार है।

कांग्रेस सांसदों की बैठक में शशि थरूर नहीं पहुंचे

सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले राहुल ने शुक्रवार को संसद भवन के एनेक्स एक्सटेंशन बिल्डिंग में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठक की। इसमें शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सांसदों के परफॉर्मेंस की समीक्षा हुई। हालांकि, केरल से पार्टी के सांसद शशि थरूर बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पहले 30 नवंबर को कांग्रेस की एक स्ट्रैटजिक मीटिंग में भी थरूर शामिल नहीं हुए थे। तब थरूर ने अपनी सफाई में कहा था कि वे अपनी 90 साल की मां के साथ फ्लाइट में थे। इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाए।

राहुल गांधी ने वर्कर्स यूनियनों से मुलाकात की

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को देशभर के कई वर्कर्स यूनियनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और नए लेबर कोड्स पर चर्चा की। राहुल ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह उनकी चिंताओं को उठाएंगे और चर्चा को आगे बढ़ाएंगे। मुलाकात के बाद राहुल ने एक्स पर लिखा- वे (प्रतिनिधि) इन चार नए लेबर कोड्स को लेकर बहुत चिंतित हैं। उनके अनुसार ये कानून वर्कर्स और उनके संगठनों के अधिकारों को कमजोर करने और उनके अधिकारों की आवाज को दबाने के लिए बनाए गए हैं। दरअसल केंद्र सरकार ने देश के सभी मजदूरों और कर्मचारियों के लिए 21 नवंबर से चार नए लेबर कोड लागू किए थे। पहले जो 29 अलग-अलग श्रम कानून थे, उनमें से जरूरी बातें निकालकर इन्हें अब 4 आसान और साफ नियमों में बदल दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

इंडिगो के 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर सस्पेंड

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में जारी संकट के बीच लगातार एक्शन हो रहा है। शुक्रवार को डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एयरलाइन की सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों की देखरेख के लिए जिम्मेदार 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। इनमें रिषराज चैटर्जी, सीमा झमनानी, अनिल कुमार पोखरियाल और प्रियम कौशिक का नाम शामिल है। इधर, डीजीसीए की चार सदस्यों वाली कमेटी शुक्रवार को भी इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स से मिलेगी। पीटर से पिछले हफ्ते बड़े पैमाने पर फ्लाइट्स कैंसिल होने को लेकर पूछताछ की जाएगी।

पाकिस्तानी नाव में सवार 11 मछुआरे पकड़ाए

कच्छ। इंडियन कोस्ट गार्ड ने कच्छ के अरब सागर में गुरुवार की रात एक पाकिस्तानी नाव पकड़ी है। 'अलवली' नामक इस नाव पर 11 पाकिस्तानी मछुआरे सवार थे, जो भारतीय जलक्षेत्र में घुस आए थे। नाव बुधवार को कोस्ट गार्ड ने अरब सागर में पेट्रोलिंग के दौरान पकड़ी। पकड़े गए सभी मछुआरों को आगे की पूछताछ के लिए जखौ पोर्ट लाया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये मछुआरे मछली पकड़ने के मकसद से भारतीय जलक्षेत्र में घुसे थे। हालांकि यह साफ नहीं हुआ है कि पकड़े गए मछुआरों के पास मछली पकड़ने के सामान के अलावा कोई और संदिग्ध चीज मिली है या नहीं।

जन्मदिवस

मुंबई के वाई बी चव्हाण सेंटर में पार्टी प्रमुख शरद पवार का 85वां जन्मदिन मनाने के लिए एनसीपी (एसपी) के नेता और कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

राजस्थान में गैंगवार, हिस्ट्रीशीटर समेत 2 की मौत

नवलगढ़ (झुंझुनूं)। राजस्थान के झुंझुनूं में हुई गैंगवार में हिस्ट्रीशीटर समेत 2 बदमाशों की मौत हो गई। गैंगवार नवलगढ़ के गोठड़ा थाना क्षेत्र के खिरोड़ की शुक्रवार सुबह 9 बजे है। भीड़ ने दो बदमाशों को पकड़कर पीट दिया। पुलिस ने बताया गैंगवार में हिस्ट्रीशीटर कृष्णकांत उर्फ रविकांत उर्फ गोलू स्वामी और सुनिल सुंडा की मौत हो गई। ग्रामीणों ने कहा- शुक्रवार

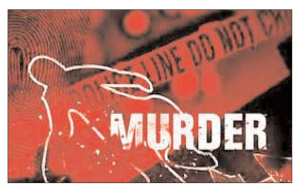

सुबह करीब 9 बजे रविंद्र कटेवा कैमरी की ढाणी स्थित अपने मकान पर था। सुनील सुंडा निवासी ढाका की ढाणी भी रविंद्र के साथ था।

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश-बॉर्डर पर घाटी से गिरी बस, 9 यात्रियों की मौत

सड़क पर बिखरे शव-सामान, 40 यात्री थे सवार, घायलों को भद्राचलम में भर्ती कराया गया

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश राज्य की सीमा पर स्थित मारेडमिल्ली घाटी पर एक यात्री बस पलट गई है। हाादसे में 9 यात्रियों की ऑन स्पॉट डेथ हो गई है, जबकि कुछ यात्री घायल हैं।

घायलों को इलाज के लिए भद्राचलम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। मामला मारेडमिल्ली थाना क्षेत्र का है। हादसे के समय बस में 40 यात्री सवार थे।

चिंटूरू और भद्राचलम के बीच घाटी पर हादसा

घटनास्थल के वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं। इसमें दिखा कि बस घाटी से गिरकर नीचे घनी झाड़ियों में

फंस गई। कई यात्री बस से नीचे सड़क पर गिर गए। सड़क पर मृतकों के शव और लोगों का सामान बिखरा पड़ा था।

बताया जा रहा है कि, 12 दिसंबर की सुबह बस अरकू से रायलासीमा चिंतुर जा रही थी। इसमें करीब 40 यात्री सवार थे। इसी बीच घाट में बस अनियंत्रित हुई और नीचे गिर गई। हादसे के बाद उस मार्ग से गुजर रहे लोगों ने मदद की और घायलों को बाहर निकाला।

9 लोगों की डेड बॉडी भी बाहर निकाली गई। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। स्क्रजिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने बताया कि यह हादसा चिंटूरू और भद्राचलम के बीच घाट रोड पर हुई। रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

इंडिगो बोला- 'ज्यादा परेशान' हुए यात्रियों को जनवरी में मुआवजा देंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो फ्लाइट कैंसिल से प्रभावित यात्रियों को रिफंड के अलावा 500 करोड़ से ज्यादा का मुआवजा भी देगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि 3-5 दिसंबर के बीच फ्लाइट कैंसिल से ज्यादा परेशान हुए पैसेंजर्स जनवरी में मुआवजा देंगे।

हालांकि इंडिगो ने यह साफ नहीं किया है कि ज्यादा परेशान का मतलब क्या है और किन यात्रियों को यह मुआवजा मिलेगा।

एयरलाइन ने आगे कहा- हमारा अनुमान है कि कुल 500 करोड़ से ज्यादा का मुआवजा उन ग्राहकों को दिया जाएगा जिनकी फ्लाइट उड़ान से 24 घंटे के अंदर कैंसिल हुई या जो एयरपोर्ट पर बुरी तरह फंसे रहे। इसके अलावा एयरलाइन ने यह भी बताया कि हमारा फोकस दिसंबर तक फ्लाइट कैंसिल से प्रभावित सभी यात्रियों को रिफंड देने पर है।

ज्यादातर को रिफंड पहले ही मिल चुका है। बचे यात्रियों के अकाउंट में जल्द डाले जाएंगे। हमारी टीमें इसमें लगी हुई हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

डॉक्टर- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो? मरीज- जी, मंदिर चला जाता हूं... डॉक्टर- बहुत बढ़िया, ध्यान-व्यान लगाते हो वहां? मरीज- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं... उनको तनाव में देख कर मेरा तनाव दूर हो जाता है।

शायरी

किसानों की राह में आने वाली
बाधाएं दूर होनी चाहिए,
कृषि क्षेत्र से जुड़ा हर भ्रष्टाचार
दूर जरूर होना चाहिए!

गोवा अग्निकांड; क्लब मालिकों को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू

फुकेट से बैंकॉक फिर दिल्ली आएंगे; एक पते पर लूथरा ब्रदर्स की 42 फर्जी कंपनियां

नई दिल्ली। गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन' आग मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड से भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

थाईलैंड पुलिस ने गुरुवार (11 दिसंबर) को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया था।

थाई पुलिस अब दोनों को बैंकॉक लेकर जा रही है। वहां सुवर्णभूमि एयरपोर्ट पर भारतीय एजेंसियां उन्हें

अपनी कस्टडी में लेंगी। इसके बाद उन्हें सुआन फू इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर ले जाया जाएगा।

पासपोर्ट रद्द होने के कारण भारतीय दूतावास उन्हें इमरजेंसी ट्रैवल सर्टिफिकेट जारी करेगा।

चूंकि, थाईलैंड से गोवा के लिए सीधी उड़ान नहीं है, इसलिए लूथरा ब्रदर्स को बैंकॉक से पहले दिल्ली, फिर गोवा ले जाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 4 दिन लगेंगे। सोमवार तक दोनों भाइयों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। दिल्ली पहुंचते ही गोवा पुलिस दोनों को हिरासत में लेगी।

इधर, लूथरा ब्रदर्स को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सौरभ और गौरव, बर्च क्लब के अलावा अन्य 42 कंपनियों से भी जुड़े हैं, जिनमें कई सिर्फ कागज पर मौजूद हैं।

ये सभी कंपनियां दिल्ली में एक ही पते (2590, ग्राउंड फ्लोर, हडसन लाइन, नार्थ वेस्ट दिल्ली) पर रजिस्टर्ड हैं।

बंगाल एसआईआर- वोटर लिस्ट से 58 लाख+ नाम हटे

ममता की भवानीपुर सीट में 44 हजार नाम डिलीट; साउथ 24 परगना जिले से 8 लाख नाम कटे

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले फेज के बाद 58 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं।

सबसे ज्यादा नाम कोलकाता के चौरंगी और कोलकाता पोर्ट जैसे क्षेत्रों में कटे हैं, जबकि सुवेंदु अधिकारी की नंदीग्राम सीट की तुलना में सीएम ममता बनर्जी के भवानीपुर सीट में चार गुना अधिक नाम हटाए गए।

भवानीपुर सीट पर जनवरी 2025 की लिस्ट में 1,61,509 वोटर्स थे। इसमें से 44,787 नाम हटाए गए। वहीं पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम जहां 2,78,212 वोटर थे, वहां से 10,599 नाम हटाए गए।

जिलावार आंकड़ों में साउथ 24 परगना सबसे ऊपर रहा, जहां 8,16,047 नाम हटाए गए। यह इलाका टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का गढ़ माना जाता है।

उन्होंने डायमंड हार्बर सीट से पिछले लोकसभा चुनाव में सात लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

चुनाव आयोग 16 दिसंबर को बंगाल में नई वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी करेगा। एसआईआर के फेज-1 में हटाए गए नामों के कारण वोटर की मौत, दूसरी जगह शिफ्ट होना और डुप्लिकेट एंट्री हैं। बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

कोलकाता पोर्ट से 74 हजार नाम हटे

राज्य के 294 असेंबली एरिया में से सबसे ज्यादा नॉर्थ कोलकाता की चौरंगी विधानसभा क्षेत्र में 74,553 नाम हटाए गए। यहां से से तृणमूल स्रुनयना बंद्योपाध्याय हैं। कोलकाता पोर्ट से कुल 63,730 नाम हटाए गए। इसका प्रतिनिधित्व सीनियर मंत्री फिरहाद हकीम करते हैं। वहीं मंत्री अरूप बिस्वास के टॉलीगंज में 35,309 नाम हटे। सबसे कम नाम बांकुरा जिले के कोतुलपुर से हटाए गए, जहां 5,678 नाम हटाए गए।

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,267.66
+449.52 (0.53%)
निफ्टी:
26,046.95
+148.40

मौसम

अधिकतम : 23 डिग्री से0
न्यूनतम : 08 डिग्री से0
सूर्योदय रविवार : 7 : 06
सूर्यास्त शनिवार : 5 : 27

ए आई

सबसे पहले चैट जीपीटी का संदर्भ लेने वाले जज को कमेटी से जोड़ा, 2023 में दिया था फैसला

अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को गति देने की तैयारी

नई दिल्ली। देश में न्यायिक आदेश में पहली बार चैट जीपीटी का संदर्भ लेने वाले पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जज जस्टिस अनूप चितकारा को सुप्रीम कोर्ट की दोबारा गठित एआई कमेटी में शामिल किया गया है। यह कमेटी भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पहल पर न्यायपालिका के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से बनाई गई है।

इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी एस नरसिम्हा करेंगे। अन्य सदस्य एमपी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा, केरल कोर्ट के जस्टिस राजा विजया राघवन वी के और कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस

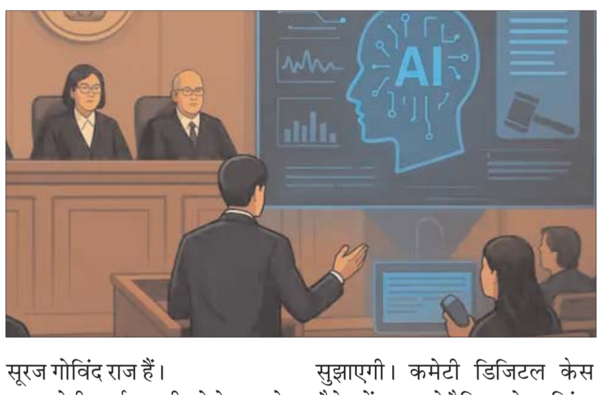

सूरज गोविंद राज हैं।

कमेटी कार्यप्रणाली को तेज करने के उपाय सुझाएगी कमेटी अदालतों की कार्यप्रणाली को तेज, पारदर्शी व अधिक कुशल बनाने के उपाय सुझाएगी। कमेटी डिजिटल केस मैनेजमेंट, आटोमैटिक शेड्यूलिंग, दस्तावेज प्रबंधन में सुधार, डेटा आधारित वर्क फ्लो सिस्टम, मुकदमा दारों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में काम करेगी।

कमेटी का उद्देश्य एआई टूल्स के विकास को गति देना

दोबारा गठित कमेटी का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट व अधीनस्थ अदालतों में एआई टूल्स के विकास, तैनाती को गति देना है। कमेटी एआई संचालित न्यायिक सुधारों की रणनीतिक दिशा तय करेगी। सभी तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करेगी। इस तरह एआई से न्यायपालिका में बदलाव की तैयारी की जा रही है।

चैट जीपीटी का उपयोग पहली बार जस्टिस चितकारा ने किया

देश में चैट जीपीटी का पहली बार इस्तेमाल पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जस्टिस अनूप चितकारा ने किया था। उन्होंने 2023 में एक जमानत आदेश में पहली बार एआई टेक्स्ट जेनरेटर का संदर्भ लिया था। क्रूरता से जुड़े हमले के आरोप संबंधी मामले में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्यायशास्त्र की तुलना के उद्देश्य से चैट जीपीटी से सवाल पूछा था कि ऐसी परिस्थितियों में अन्य देशों में जमानत मानदंड कैसे निर्धारित होते हैं। जस्टिस चितकारा ने यह भी स्पष्ट किया था कि चैट जीपीटी का संदर्भ विश्व में प्रचलित कानूनी दृष्टिकोण को समझने का प्रयास था।

हनुमानगढ़ किसान आंदोलन में बनी सहमति

गड़बड़ी मिली तो हट सकती है एथेनॉल फैक्ट्री, किसानों की मांगों को लेकर होगा रिव्यू

हनुमानगढ़। राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित टिब्बी (राठीखेड़ा) में आंदोलन शुक्रवार रात स्थगित हो गया। प्रशासन और किसान प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी। फैक्ट्री में गड़बड़ी मिलने पर हटाने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही किसानों की मांगों को लेकर रिव्यू होगा। इससे पहले ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री का विरोध शुक्रवार दोपहर तक जारी था। चौथे दिन (शुक्रवार) भी टिब्बी में इंटरनेट बंद रहा। उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके थे।

अब जानते हैं आखिर 10 दिसंबर को क्या हुआ था?

10 दिसंबर (बुधवार) को किसानों ने जिले के राठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री की दीवार तोड़ दी थी। अंदर घुसे प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस में भी आग लगा दी थी। इस बीच पुलिस-किसानों में जमकर पत्थरबाजी हुई। बवाल में कांग्रेस विधायक सहित 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कुछ घायल टिब्बी के गुरुद्वारे में ही रुके हैं। फैक्ट्री के आसपास रहने वाले करीब 30 परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं।

संपादकीय

सोशल मीडिया के संजाल से बच्चों को बचाना जरूरी

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

आज का डिजिटल युग सोशल मीडिया का युग है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने लोगों को जोड़ने का नया तरीका दिया है। लेकिन इनके अत्यधिक उपयोग से बच्चों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं। भारत में शहरी क्षेत्रों के 47 प्रतिशत माता-पिता मानते हैं कि उनके 9-17 वर्ष के बच्चे रोजाना 3 घंटे या उससे अधिक समय सोशल मीडिया, वीडियो/ओटीटी और ऑनलाइन गेमिंग पर बिताते हैं। कई सर्वे बताते हैं कि 61 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया की लत का शिकार हो चुके हैं। यह लत न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक विकास पर भी गहरा असर डाल रही है। इसलिए, सोशल मीडिया के जाल से बच्चों को बचाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

सोशल मीडिया का सबसे बड़ा खतरा बच्चों की मानसिक सेहत पर है। अध्ययनों से पता चलता है कि अत्यधिक उपयोग से बच्चों में चिंता, अवसाद, तनाव और अकेलापन बढ़ता है। अमेरिका और भारत दोनों में रिसर्च बताती हैं कि रोजाना 30 मिनट से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करने से बच्चों की एकाग्रता कम होती जाती है। भारत में एक सर्वे के अनुसार, 65 प्रतिशत किशोर खुद को इंफ्लुएंसर्स से तुलना करके असंतुष्ट महसूस करते हैं, जिससे बॉडी इमेज इश्यू और डिप्रेशन बढ़ता है। साइबरबुलिंग भी बड़ा खतरा है। ऑनलाइन ट्रोलिंग, अपमानजनक कमेंट्स और हैरासमेंट से बच्चे भावनात्मक रूप से टूट जाते हैं। कई मामलों में यह आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति तक पहुंच जाता है। फियर ऑफ मिसिंग आउट यानी छूट जाने का डर बच्चों को लगातार ऑनलाइन रखता है, जिससे नींद की कमी और तनाव बढ़ता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर भी सोशल मीडिया का बुरा असर पड़ता है। घंटों स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों में दर्द, सिरदर्द, पीठ दर्द और मोटापा जैसी समस्याएं हो रही हैं। भारत में बच्चों की लत के कारण आक्रामकता, अधीरता, एकाग्रता की कमी और याददाश्त कमजोर होने की शिकायतें आम हैं। पढ़ाई पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। सोशल मीडिया की वजह से बच्चे होमवर्क और स्टडी से ध्यान हटाते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया का अधिक उपयोग ADHD जैसे लक्षण बढ़ाता है। भारत में स्कूल जाने वाले बच्चों में सोशल मीडिया की लत से व्यवहारिक बदलाव जैसे आक्रामकता और सामाजिक अलगाव देखा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर अनियंत्रित कंटेंट भी बड़ा खतरा है। हिंसा, अनुचित सामग्री, पोर्नोग्राफी और गलत जानकारी बच्चों तक आसानी से पहुंच रही है। ऑनलाइन प्रीडेटर्स बच्चों को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं। भारत में ऑनलाइन बाल यौन शोषण के मामले बढ़ रहे हैं। एल्गोरिदम बच्चों को ऐसी सामग्री दिखाते रहते हैं जो उनकी उम्र के लिए उपयुक्त नहीं। इससे बच्चों का मानसिक और नैतिक विकास बाधित होता है।

इन खतरों से बचाने के लिए माता-पिता, स्कूल और समाज को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। सबसे पहले, बच्चों को 13 वर्ष से कम उम्र में सोशल मीडिया अकाउंट न बनाने दें। कई प्लेटफॉर्म्स पर यह नियम है, लेकिन इसे सख्ती से लागू करें। स्क्रीन टाइम सीमित करें -रोजाना 1-2 घंटे से अधिक न हो। पैरेंटल कंट्रोल टूल्स का उपयोग करें, प्राइवेसी सेटिंग्स चेक करें और बच्चों के साथ खुलकर बात करें। उन्हें साइबरबुलिंग, ऑनलाइन सेफ्टी और व्यक्तिगत जानकारी शेयर न करने के बारे में शिक्षित करें। घर में डिवाइस-फ्री जोन बनाएं, जैसे डिनर टेबल या बेडरूम। बच्चों को खेलकूद, पढ़ाई और रियल लाइफ एक्टिविटी में व्यस्त रखें। स्कूलों में डिजिटल लिटरेसी प्रोग्राम चलाएं। सरकार को डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन लॉ को सख्ती से लागू करना चाहिए, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए पैरेंटल कंसेंट अनिवार्य हो।

सोशल मीडिया के कुछ फायदे भी हैं, जैसे जानकारी हासिल करना और दोस्तों से जुड़ना, लेकिन बच्चों के लिए इसके नुकसान फायदों से कहीं अधिक हैं। अगर हम अभी नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ी मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो जाएगी। माता-पिता का दायित्व है कि वे बच्चों को इस डिजिटल जाल से बचाएं और संतुलित जीवन सिखाएं। सोशल मीडिया को नियंत्रित उपयोग का माध्यम बनाएं, न कि लत का। बच्चों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए यह जरूरी है।

मूल्य आधारित सफलता के संयम, कठोर श्रम और संकल्प मूल आधार

श्रेष्ठ ध्येय की प्राप्ति के लिए चिंता नहीं, चिंतन के साथ कठोर श्रम की आवश्यकता होती है। निराशा और चिंता मनुष्य की प्रगति के सबसे बड़े अवरोध हैं,ये मन के पंख काट देती हैं और व्यक्ति को स्थिर कर देती हैं। आवश्यकता है कि निराशा को तत्काल विचारों से अलग किया जाए और चिंता को मन में प्रवेश न करने दिया जाए, अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं लगाती। सकारात्मक सोच, नवीन संकल्प, दृढ़ निश्चय और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सफलता का सार मार्ग है। मन में यदि संकल्प दृढ़ हो जाए तो संघर्ष की हर आँधी को जिजीविषा की शक्ति से मोड़ा जा सकता है।

कठिन कार्यों को जीवन में पहले चुनना चाहिए, क्योंकि कड़ी चुनौती ही ऊर्जा, सामर्थ्य और इच्छाशक्ति की परीक्षा लेकर मनुष्य को असाधारण बनाती है। कठिनाइयों से घबराकर उनसे पलायन करना निराशा को जन्म देता है, और निराशा से बढ़कर कोई बाधा नहीं होती, इसलिए हताशा को त्यागें, उत्साह और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें सफलता स्वयं आपके चरण चूमेगी। समाज में जो महान व्यक्ति विलक्षण रूप में हमारे सामने खड़े हैं— जिनको आज की भाषा में सेलिब्रिटी कहा जाता है, उनकी चमक के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति, संयम और अटूट विश्वास छिपा होता है। बड़ी सफलता का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है ।लेकिन कठिन परिस्थितियाँ ही मनुष्य की दृढ़ता को तेज करती हैं और संघर्ष उसे मंज़िल के करीब ले जाता है। मानव जीवन में इच्छाएँ, आकांक्षाएँ और प्रयत्न स्वाभाविक हैं, किंतु सफलता कभी भी मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए, क्योंकि मूल्यहीन सफलता समाज के लिए संकट बन सकती है।

यदि वैज्ञानिक अपनी क्षमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए न करके जैविक या रासायनिक हथियारों के निर्माण में करे, तो वह प्रज्ञा विनाश में परिवर्तित हो जाती है यही कारण है कि सफलता के पीछे मानवीय मूल्य होना अनिवार्य है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता ही लक्ष्य की पवित्रता और उपलब्धि की स्थिरता को सुनिश्चित करते हैं। सफलता केवल स्थापित मापदंड नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण से जुड़ी होनी चाहिए।

विश्व की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में सत्य, अहिंसा, दया, सेवा, करुणा और विश्व बंधुत्व जैसे गुणों की स्पष्ट स्वीकृति दिखाई देती है, और इन्हीं आधारों पर वैश्विक विकास की अवधारणा निर्मित होती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में आदर्शों की प्रतिबद्धता स्वर्णिम धरोहर रही है। ऋषि-मुनियों से लेकर संत-परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम के महापुरुषों तक— कबीर, रैदास, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, चिश्ती, औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, विवेकानंद और सुभाषचंद्र बोस, इन सबने मूल्यों और सिद्धांतों की रक्षा को ही श्रेष्ठ सफलता माना और अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित कर दिया। सफलता का अर्थ केवल उपलब्धि नहीं बल्कि सत्य का सम्मान और करुणा की सेवा है। बिना मूल्यों की सफलता पानी की पतली धारा की तरह होती है, जो नदी का रूप नहीं ले सकती।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता हुआ बचपन

-: ललित गर्ग : -

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं।

यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है।

उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को 'बचपन जीने का अधिकार' लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से।

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है।

इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं।

मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं।

मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और वह भी तुरंत।

भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में ढल गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की वह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी 'मांग' समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है।

यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बचपन को बचाइए-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3738

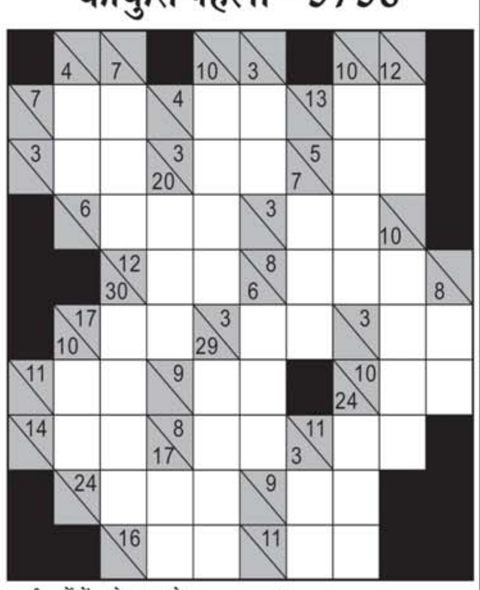

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3737 का हल

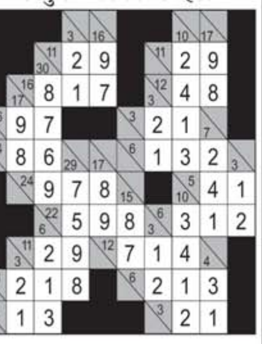

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3738

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3737

सूडोकु -3738

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3737 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3738

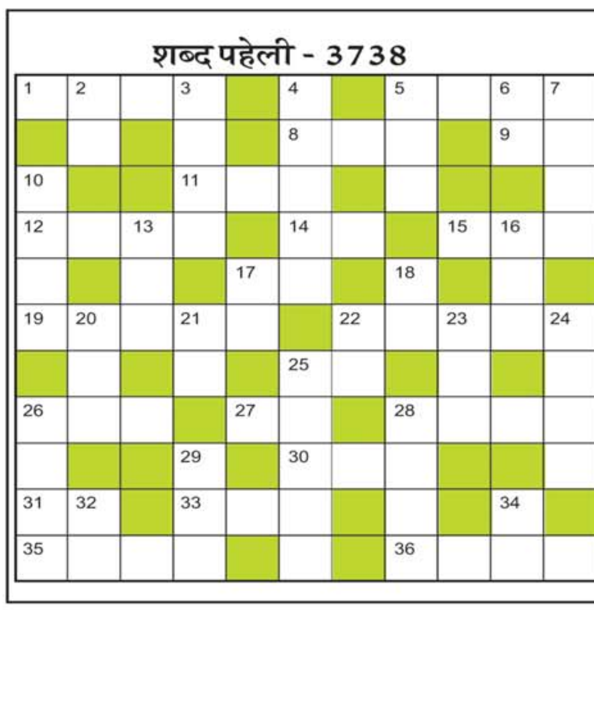

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली - 3737 का हल

दिल्ली नोएडा एयरपोर्ट डायरेक्ट रैपिड रेल की कनेक्टिविटी

सिद्धार्थ विहार-जेवर कॉरिडोर पर संशय, एनसीआरटीसी बनाएगा नए रूट की फिजिबिलिटी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को गाज़ियाबाद के सिद्धार्थ विहार से जोड़ने वाली 72.4 किमी लंबी रैपिड रेल व मेट्रो कॉरिडोर परियोजना अब रुक सकती है। केंद्र सरकार का फोकस अब सीधे दिल्ली के सराय काले खान से एयरपोर्ट तक हाई-स्पीड कनेक्टिविटी बनाने पर है।

शहरी विकास मंत्रालय ने पहले बने डीपीआर पर कई आपत्तियां उठाते हुए NCRTC को नए रूट का ताज़ा फिजिबिलिटी स्टडी तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

NCRTC ने पहले सिद्धार्थ विहार-जेवर कॉरिडोर के लिए दो चरणों में 22 स्टेशन प्रस्तावित किए थे। 11 रैपिड रेल व 11 मेट्रो के। यह रूट सिद्धार्थ विहार से चार मूर्ति होते हुए इकोटेक-6 और वहां से YEIDA सेक्टर 17, 18 और 21 (फिल्म सिटी) के रास्ते एयरपोर्ट तक जाने वाला था।

करीब 20,637 करोड़ रुपए लागत वाली इस परियोजना को यूपी सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन नवंबर 2024 में डीपीआर केंद्र को भेजने के बाद मंत्रालय ने 14 नवंबर को इसे दस प्रमुख आपत्तियों के साथ वापस लौटा दिया। जिनमें सबसे बड़ी आपत्ति-दिल्ली से जेवर तक सीधी कनेक्टिविटी का न होना थी।

दिल्ली से एयरपोर्ट हाईस्पीड कनेक्टिविटी

दिल्ली में हुई समीक्षा बैठक में, जिसमें YEIDA, NIAL, NMRC, NCRTC और राज्य प्रतिनिधि मौजूद थे, मंत्रालय ने साफ कहा कि इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए दिल्ली, खासकर IGI एयरपोर्ट से सीधा और तेज़ लिंक प्राथमिकता होनी चाहिए। इसी आधार पर NCRTC को नया अध्ययन तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया।

ये होगा नया कॉरिडोर

प्रारंभिक विचार-विमर्श के अनुसार नया कॉरिडोर सराय काले खा से शुरू होकर नोएडा सिटी सेंटर, एनएसईजेड, सूरजपुर, नॉलेज पार्क-3, परी चौक, इकोटेक-6, दनकौर और YEIDA सेक्टर 18 व 21 से होकर एयरपोर्ट तक जा सकता है। स्टेशन संख्या और अंतिम लंबाई फिजिबिलिटी रिपोर्ट के बाद तय होगी। नए रूट के कारण ग्रेटर नोएडा वेस्ट इस एलाइन्मेंट से बाहर हो जाएगा। NMRC पहले ही ऐक्वा लाइन को सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट होकर नॉलेज पार्क-5 तक बढ़ाने का प्रस्ताव भेज चुका है।

डिवाइडर से टकराकर कार में लगी आग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-71 रेड लाइट के पास तेज रफ्तार ऑल्टो कार शुक्रवार सुबह डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। अंदर बैठे पति पत्नी ने तुरंत कार से उतरकर जान बचाई। दोनों को मामूली चोटें आई हैं। इसी बीच राहगीरों ने आग लगने की सूचना फायर बिग्रेड की दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी कार में लगी आग को बुझाने में जुट गए। करीब 30 मिनट बाद आग पर काबू पाया गया। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि मेरठ के जागृति विहार में रहने वाले 46 साल आयुष गुप्ता गुरुवार को पत्नी शिखा गुप्ता के साथ कहीं गए थे। जब वह लौट रहे थे तभी फेज तीन थाना क्षेत्र के डंपिंग ग्राउंड के पास उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। कार में तुरंत आग लग गई। पत्नी शिखा को लेकर आयुष नीचे उतर गए। राहगीरों ने घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को सुबह चार बजकर नौ मिनट पर दी। सूचना मिलने के कुछ ही समय बाद दमकल की एक गाड़ी और चार अग्निशमनकर्मी मौके पर पहुंच गए। कार में लगी आग को 30 मिनट में ही बुझा लिया गया। मामूली घायल हुए दंपती को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अभी दोनों की हालत ठीक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि सुबह का समय होने के कारण कार चालक को झपकी आ गई।

निक्की भाटी हत्याकांड में ससुर की जमानत याचिका खारिज

जेठ की अर्जी पहले ही हो चुकी है नामंजूर, सास-पति की अर्जी नहीं लगी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में विवाहिता निक्की भाटी की जलाकर हत्या के मामले में आरोपी ससुर सतवीर की जमानत अर्जी शुक्रवार को सत्र न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि मामले की प्रकृति अत्यंत गंभीर है और ऐसे चरण पर आरोपी को रिहा करना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने यह भी माना कि सतवीर के बाहर आने पर साक्षियों को प्रभावित करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

इससे पहले इस केस में मृतका के जेठ रोहित की जमानत भी खारिज हो चुकी है, जबकि सास दया और पति विपिन की अर्जी अभी तक दायर नहीं की गई है।

जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) ब्रहमजीत सिंह और मृतका पक्ष के अधिवक्ता दिनेश कल्सन, संतोष बंसल और उधम सिंह तोंगड़ ने अदालत को बताया कि आरोपी सतवीर की किराना दुकान घर के नीचे ही है, इसलिए उसके घटनास्थल पर न होने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने कहा कि निक्की एक वर्ष पहले पंचायत के जरिए ससुराल लौटी थी, जिससे परिवार में पहले से तनाव था। इसलिए आरोपी की संलिप्तता के पर्याप्त आधार मौजूद हैं।

मेडिकल रिपोर्ट और एफआईआर में गंभीर आरोप

अदालत ने पाया कि मृतका की बहन ने आरोपी पर स्पष्ट आरोप लगाए हैं और सतवीर नामजद है। विवेचना के दौरान बयान, प्रथम सूचना रिपोर्ट और चिकित्सीय रिपोर्ट से यह सामने आया कि सतवीर पर लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। कोर्ट ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि आरोपी घटना में शामिल नहीं था, और यदि उसे रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है, जिससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होगी।

इन सभी तथ्यों को देखते हुए अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। निक्की भाटी की जलाकर हत्या का आरोप उसके पति, जेठ, सास और ससुर पर है।

शार्ट न्यूज

दहेज न देने पर विवाहिता को पीटा

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा में एक विवाहिता के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न का पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित पिता ने बताया कि बेटी की शादी फरवरी 2024 में हुई थी। शादी में टाटा पंच कार, नकद 11 लाख और सोने के कुछ जेवर दिए गए थे। इसके बाद भी ससुराल पक्ष की ओर से स्कॉर्पियो कार और 21 लाख मांगे जा रहे थे। उन्होंने ससुराल पक्ष को पांच लाख रुपये दिए, तब भी उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। 26 नवंबर को बेटी के साथ मारपीट की गई जिससे वह बेहोश हो गई। पिता ने बेटी को जेवर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, बाद में उसकी गंभीर हालत को देखते हुए नोएडा के जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने मामले में पति, सास, ससुर और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हर्ष फायरिंग के मामले में आरोपी हुआ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। नरौली गांव में दो दिन पहले बरात चढ़त के दौरान हर्ष फायरिंग के दौरान 16 वर्षीय छात्र गोली लगने से घायल हो गया था। मामले में पुलिस ने दूल्हे समेत 7 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही पुलिस ने आरोपी बिचौलिये को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें लगी है। बता दे कि जारचा कोतवाली क्षेत्र के नरौली लतीफपुर गांव में 10 दिसंबर को गाजियाबाद के मेवला भट्टी गांव से दूल्हे निखिल की बारात आई थी। बरात में चढ़त के दौरान हर्ष फायरिंग की जा रही थी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि हर्ष फायरिंग करने वाले लगभग 10 लोग थे, जो अवैध हथियार से फायरिंग कर रहे थे। फायरिंग के दौरान 16 वर्षीय तनिष के पैर में गोली लग गई थी जिससे वह घायल हो गया था। घायल का उपचार ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में चल रहा है। जो खतरे से बाहर है। पुलिस ने दूल्हे निखिल, बिचौलिया गौरव और दूल्हे के पिता समेत 7 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

नोएडा के सिनेमा हॉल में दो पक्षों में मारपीट

नोएडा। नोएडा के गुलशन मॉल में फिल्म देखने आए 2 गुटों के युवकों के बीच मारपीट हो गई। घटना का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई देता है कि सिनेमा हॉल के अंदर ही कुछ युवकों के बीच मारपीट हो रही है। इस दौरान 2 युवकों को कुर्सी से खींचकर उठाया जाता है और कई लोग उन्हें थप्पड़ मारते नजर आते हैं। इसके बाद उन्हें बाहर लेकर जा रहे हैं। वीडियो में गाली-गलौज की आवाजें सुनाई दे रही हैं, वहीं कुछ युवतियों की चीख-पुकार भी सुनाई पड़ती है। यह घटना नोएडा एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र के सेक्टर-135 स्थित गुलशन मॉल की बताई जा रही है। मारपीट कब हुई, इसकी भी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। शुक्रवार शाम इस घटना का 26 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मारपीट किस वजह से हुई, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है। सोशल मीडिया पर एक यूजर्स ने नोएडा पुलिस को टैग करके मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस पूरे मामले पर नोएडा पुलिस ने कहा-घटना को लेकर अब तक किसी भी पक्ष ने लिखित शिकायत नहीं दी है।

एनएसईजेड मेट्रो के पास नाले में मिला शव

3 दिन पुराना, पुलिस शिनाख्त में जुटी

नोएडा। नोएडा फेज-2 स्थित एनएसईजेड मेट्रो स्टेशन के पास गंदे नाले में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। वहां से गुजर रहे लोगों ने पानी में शव तैरता देख इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार मृतक के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। शव दो से तीन दिन पुराना लग रहा है। नाले का बहाव दिल्ली की ओर भी रहता है, ऐसे में पुलिस का अनुमान है कि शव बहकर यहां तक आया होगा। आसपास का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार शव के पास से कोई पहचान पत्र बरामद नहीं हुआ है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को मॉर्च्यूरी में सुरक्षित रखा जाएगा। बता दें कि इससे पहले भी नाले में अज्ञात शव मिलने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिन्हें लेकर पुलिस सतर्कता बढ़ाने की बात कह रही है।

नोएडा में मां-बेटे पर ईंटों से हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के चचूला गांव में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर गुरुवार देर रात मां-बेटे पर ईंटों से हमला किया गया। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित सोनू की मां धर्मवती की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। धर्मवती ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात वह अपने बेटे सोनू के साथ घर में सो रही थीं। तभी त्रिलोक चंद, नंदकिशोर, पिंटू और रघुवर सहित चार आरोपी घर में घुस आए और ईंटों से हमला कर दिया। हमले में सोनू के सिर में गंभीर चोट आई है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। धर्मवती के अनुसार, आरोपी लंबे समय से प्रॉपर्टी को लेकर विवाद कर रहे थे और उन्हें तथा उनके बेटे को जान से मारने की धमकियां भी दे रहे थे। पीड़िता ने कहा कि हमलावरों का उद्देश्य उनकी हत्या करना था। अचानक हुए इस हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ग्रेटर नोएडा में टला बड़ा हादसा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र में स्थित खोदना सोराजपुर रेलवे फाटक पर एक बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को एक मालगाड़ी खुले फाटक से तेज रफ्तार में गुजर गई, जबकि फाटक खुला हुआ था और दोनों ओर वाहन चालक व राहगीर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि बिना किसी चेतावनी या अलर्ट के अचानक मालगाड़ी ट्रैक पर आ जाती है। फाटक खुला होने के कारण मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई लोग अपनी बाइक और गाड़ियां पीछे करने लगे, जबकि कुछ लोग इतने करीब से ट्रेन गुजरते देख स्तब्ध रह गए। घटना को लेकर स्थानीय निवासियों ने रेलवे विभाग और गेटमैन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि अगर कोई वाहन या पैदल यात्री ट्रैक पर होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने रेलवे से फाटक पर सुरक्षा बढ़ाने और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। निवासियों का यह भी कहना है कि इस फाटक पर सुरक्षा इंतजाम पहले से ही कमजोर हैं और कई बार ऐसी स्थितियां बन चुकी हैं, जो बड़ी दुर्घटना में बदल सकती थीं।

जेवर में प्लॉट की बाउंड्री तोड़ी गई

जेवर। ग्रेटर नोएडा के गौर सिटी 2 के एक निवासी ने तीन लोगों पर अपने प्लॉट की बाउंड्री तोड़ने और विरोध करने पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर शुक्रवार देर शाम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, 14 एवेन्यू, गौर सिटी 2 निवासी सचिन शर्मा ने अपनी तहरीर में बताया कि शुक्रवार को वे जेवर स्थित आर एंड आर कॉलोनी के पास बूढ़ाका गांव जाने वाले रास्ते पर अपने प्लॉट की बाउंड्री निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान विजयनगर, गाजियाबाद के हरिदत्त शर्मा, उनके बेटे गंगा सागर और उनके साथी निशू पंडित वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए सचिन शर्मा के प्लॉट की बाउंड्री तोड़ दी। सचिन शर्मा द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है।

नोएडा में 10वीं की स्टूडेंट ने किया सुसाइड

दरवाजे के पास लगी खूंटी से लटका था शव, दरवाजा अंदर से था बंद

नोएडा। बहलोलपुर गांव में गुरुवार दोपहर 15 साल की किशोरी ने घर के दरवाजे के पास लगी खूंटी से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। किशोरी हाईस्कूल की स्टूडेंट थी। दरवाजा तोड़कर शव को अंदर से निकाला गया। मृतक किशोरी के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

सेक्टर-63 थाना प्रभारी ने बताया कि हरदोई के बघौली थाना क्षेत्र के आठवां गांव निवासी घनश्याम तिवारी वर्तमान में बहलोलपुर गांव में पत्नी और दो बच्चों के साथ किराये के मकान में रहते हैं। घनश्याम और उनकी पत्नी एक एक्सपोर्ट कंपनी में काम करते हैं।

रोजाना की तरह घनश्याम गुरुवार को भी सुबह ही पत्नी के साथ काम पर निकल गए। उनका बेटा भी कुछ समय बाद घर से बाहर चला गया। घर पर घनश्याम की 15 साल की बेटी मोहिनी अकेली थी।

दरवाजा अंदर से बंद था

दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब किशोरी ने कमरे का दरवाजा बंद किया और दरवाजे के पास लगी खूंटी से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घनश्याम और उनकी पत्नी शाम को जब काम करके घर लौटे, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

कई बार आवाज देने के बाद भी जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई तो दोनों को अनहोनी की आशंका सताने लगी।

आसपास के लोगों की मदद से दरवाजे को तोड़कर जब घनश्याम अंदर दाखिल हुए तो देखा कि बेटी का शव फंदे से लटक रहा है।

दो गुना पैसों का लालच देकर धोखाधडी करने वाले छः अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो लक्जरी गाडियां सहित 575000 रुपये नगद बरामद

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने दोगुना पैसों का लालच देकर धोखाधडी करके लाखों रूपये की ठगी करने वाले छः अभियुक्तों चंचल कुमार,इंद्रमणि उर्फ राजा ऊर्फ इन्द्र, रितेश कुमार उर्फ अंकित, शुभम तिवारी, नवीन सिंह,गौरव गुप्ता को रूद्रा निर्माणाधीन सोसाइटी सेक्टर 16 बी के पास से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार एमजी हैक्टर, कार निशान मेगनेट, ठगी की नगदी 575000 रुपये,छः मोबाइल फोन, फर्जी दस्तावेज और अन्य सामान बरामद किया है।गौरतलब है कि 5 दिसम्बर 2025 को वादिया के द्वारा लिखित सूचना दी गई कि मेरे जीजा विशाल अग्रवाल पिछले दस दिनो से पैसे माँग रहे थे और मुनाफा देकर पैसे वापिस करने की बात कह रहे थे उनकी बात सोनू यादव से हो रही थी और वही पैसे लेकर दो गुना पैसे देने की कह रहा था। फिर मैन पैसा की व्यवस्था करना शुरु किया और मैने अपने जानकार भाई अनित जिन्हें विशाल अग्रवाल भी जानते हैं उनसे मिलकर रूपये 16,50,000 रुपये की व्यवस्था कर ली और मैं और मेरे जीजा जी सारा पैसे लेकर 4 दिसम्बर 2025 शाम को घर से निकले। जीजा विशाल अग्रवाल की बात सोनू यादव से हुयी उसने हमें गौर सिटी मॉल के सामने बुलाया। हम लोग गौर सिटी मॉल के पास पहुचें तो वहां सोनू यादव एक लडके के साथ मिला फिर जीजाजी ने उन्हें गाडी़ मे बिठाया और बताया कि यही लोग हमे पैसे मुनाफा करके देगें और उनके नाम सोनू यादव व छोटू बताया।

फिर हम लोग गाडी से सेंच्यूरियन ट्रेस होम्स सोसायटी के टॉवर बी-2 के एक फ्लैट मे पहुँचे जहाँ दो लडके पहले से मौजूद थे। फिर उन चार लड़कों ने हमारे पैसे ले लिए और हमें दो गुने पैसो से भरा बैग दे दिया। फिर हम लोग सोनू यादव व छोटू के साथ फ्लैट से नीचे आ गए और गाडी से ब्लू स्फायर मॉल के पास पहुचे जहाँ उन दो लड़को सोनू यादव व छोटू को उतार दिया। उतारने के बाद हमने गाडी़ मे रखा पैसो का बैग चैक किया तो पाया कि नोटो की गड्डी के ऊपर केवल एक असली नोट था और नीचे कागज की गड्डी थी। यह सब देखकर हम लोग वापस उसी फ्लैट पर पहुचे तो पाया कि फ्लैट पर कोई नहीं है। वो लोग हमारे पैसे लेकर जा चुके थे। घटना के सम्बन्ध में वादी की लिखित तहरीर के आधार पर थाना बिसरख पर मुकदमा अपराध संख्या 947/2025 धारा 316(2) बीएनएस 5 दिसम्बर 2025 को पंजीकृत किया गया था। यह एक ऐसा सक्रिय गैंग है जो जनता को अधिक धन का लालच देकर नोट बदलने के नाम पर ठगी करते है। इस गिरोह में 6-7 लोग शामिल रहते है सभी का अलग- अलग काम होता है जिसमें दो व्यक्ति ग्राहक को झांसा देकर अपने जाल में फंसा लेते है बाकी लोग फ्लैट पर पहले से मौजूद रहते है। ये लोग ग्राहक से अपना असली नाम छुपाकर मिलते है।

नोएडा बिसाहड़ा केस वापसी पर सुनवाई अब 18 दिसंबर को

सभी आरोपी जमानत पर बाहर, सितंबर 2015 में अखलाक की हत्या हुई थी

नोएडा। नोएडा के बिसाहड़ा कांड मामले में सरकार की ओर से मुकदमा वापस लेने की अर्जी पर आज फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हुई। शासन और संयुक्त निदेशक अभियोजन के आदेश के बाद सहायक जिला शासकीय वकील (फौजदारी) ने अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है, जिसमें सामाजिक सद्भाव की बहाली को देखते हुए मुकदमा वापस लेने का आदेश पारित करने की अनुमति मांगी गई है। आज की सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने समय मांगा। ऐसे में कोर्ट ने 18 दिसंबर को अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी है। अब सुनवाई 18 दिसंबर को होगी।

उत्तर प्रदेश शासन के न्याय अनुभाग-5 (फौजदारी) लखनऊ द्वारा 26 अगस्त 2025 को जारी शासनादेश के अनुसार इस मुकदमे को वापस लेने का निर्णय लिया गया था। संयुक्त निदेशक अभियोजन गौतमबुद्धनगर ने 12 सितंबर 2025 को पत्र जारी करते हुए जिला शासकीय वकील (फौजदारी) गौतमबुद्धनगर को इस संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पत्र में कहा गया था कि राज्यपाल महोदया द्वारा अभियोजन वापसी की अनुमति प्रदान कर दी गई है। यह कार्रवाई दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-321 के तहत की गई है। इसके बाद 15 अक्टूबर को अर्जी दाखिल की गई थी।

क्या था मामला?

28 सितंबर 2015 की रात थाना जारचा क्षेत्र के गांव बिसाहड़ा में गोमांस सेवन की अफवाह फैलते ही भीड़ ने एक घर पर हमला कर दिया था। इस दौरान गांव निवासी अखलाक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका बेटा दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह घटना पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव का कारण बनी और बिसाहड़ा गांव राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया। मामले में अखलाक की पत्नी इकरामन ने दस लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

प्राथमिकी में बताया गया था कि आरोपी लाठी-डंडे और तमंचे लेकर घर में घुस आए और हमला किया। जांच के दौरान पुलिस ने धारा 147, 148, 149, 307, 302, 323, 504, 506, 427, 458 भादंवि और 7 क्रिमिनल लॉ एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। विवेचना में चश्मदीद गवाहों पत्नी इकरामन, मां असगरी, पुत्री शाहिस्ता और पुत्र दानिश के बयान दर्ज किए गए थे। शुरुआती बयानों में 10 आरोपियों के नाम थे, लेकिन बाद के बयानों में गवाहों ने अन्य 16 नाम और जोड़ दिए।

सभी आरोपी जमानत पर है बाहर

अखलाक की पुत्री शाहिस्ता के 26 नवंबर 2015 के बयान (धारा 164 सीआरपीसी) में 16 आरोपियों का जिक्र किया गया, जबकि 5 दिसंबर-2012 को दानिश ने 19 लोगों के नाम बताए। विवेचक ने 22 दिसंबर 2015 को 18 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अभी सभी आरोपी जमानत पर रिहा हैं। केस साक्ष्य चरण में लंबित है।

निवेश के नाम पर 79 लाख ठगे

12 बार में जमा किए पैसे, मुनाफा के दिखा सवा करोड़, निकालने के लिए बोला तो तोड़ संपर्क

नोएडा। साइबर ठग ने कारोबारी को शेयर बाजार में निवेश कर 30 प्रतिशत तक मुनाफा कमाने का झांसा दिया। कारोबारी ने विश्वास कर एक महीने में 79 लाख रुपए निवेश कर दिए। मुनाफा समेत रकम नहीं निकलने पर पीड़ित को ठगी होने का पता चला। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस साइबर ठगों की पहचान और तलाश में जुटी है।

महिला ने यूएस रिटर्न और ट्रेडिंग एक्सपर्ट बताया

नोएडा सेक्टर 94 स्थित सुपरनोवा रेजीडेंसी सोसाइटी में कारोबारी रहते है। फेसबुक से उनकी दोस्ती 10 सितंबर को आरुषि कपूर नाम की महिला से हुई थी। दोनों में वाट्स अप पर वीडियो काल से भी बाते होने लगी। महिला ने खुद को यूएस रिटर्न और शेयर ट्रेडिंग एक्सपर्ट बताया। अपने चाचा के सहयोग से हर माह मोटा मुनाफा कमाने का दावा किया।

ऐप पर कराया रजिस्ट्रेशन

पीड़ित को राजी कर यूबीबसाक ट्रेडिंग नाम की एप पर पंजीकरण कराया। शुरुआत में खुद पांच लाख रुपए जमा कर मुनाफा होने का विश्वास दिलाया। कारोबारी ने 17 सितंबर से 15 अक्टूबर तक 12 बार में 79 लाख रुपए निवेश कर दिए। एक पर सवा करोड़ रुपए से ज्यादा का पोर्टफोलियो दिखने लगा। पीड़ित ने पूरी रकम निकालने को आवेदन किया तो ठग ने कर के रूप में 20 लाख रुपए जमा कराने को बोला। पीड़ित ने और रकम देने से मना कर दिया तो ठगों ने संपर्क तोड़ दिया।

पिता-पुत्र पर फावड़े से हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के देवटा गांव में नाली निर्माण के दौरान पानी छोड़ने को लेकर हुए विवाद में पिता-पुत्र पर फावड़े से हमला किया गया। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। पीड़ित सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार को उनके घर के पास सीवर नाली का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान पड़ोसियों ने नाली में पानी छोड़ दिया, जिसका सुभाष ने विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी भड़क गए और उन्होंने सुभाष तथा उनके बेटे अजीत पर फावड़े से हमला कर दिया। हमले में अजीत के सिर पर गंभीर चोट आई है, जबकि बेटे को बचाने के प्रयास में सुभाष भी घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। सुभाष ने आरोपियों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि नाली का काम वर्षों से लंबित था, और शुक्रवार को काम शुरू होने पर भी पड़ोस के लोग सहयोग करने के बजाय विवाद खड़ा कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट की जमीन पर अवैध निर्माण

28 ग्रामीणों पर एफआईआर, अधिग्रहण का लाभ लेने का आरोप

जेवर। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तार के लिए अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण करने के आरोप में 28 ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन ने शुक्रवार को रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के नगला हुकम सिंह गांव में की। आरोप है कि ग्रामीण एयरपोर्ट के दूसरे चरण के विस्तारीकरण में भूमि अधिग्रहण का अनुचित लाभ लेने के लिए अवैध निर्माण कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, नगला हुकम सिंह गांव के लेखपाल प्रत्यूष राही पाठक ने जिला प्रशासन की ओर से शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के दूसरे चरण के विस्तार के लिए दयानंतपुर, वीरमपुर, मूढ़रह, रनहेरा, कुरैब और करौली बांगर गांवों की लगभग 1182 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है।

इस परियोजना के लिए वर्ष 2022 में ही अधिसूचना जारी की गई थी। अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि जारी होने की तारीख के बाद और अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने तक, गौतमबुद्धनगर के कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना अधिसूचित भूमि को न तो खरीदा या बेचा जा सकता है और न ही उस पर कोई नया निर्माण किया जा सकता है।

इसके बावजूद, भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास नीति का अवैध लाभ उठाने के उद्देश्य से नगला हुकम सिंह गांव में अधिग्रहित की जा रही भूमि पर इन ग्रामीणों द्वारा अवैध रूप से नए निर्माण कार्य किए जा रहे थे। प्रशासन द्वारा बार-बार नोटिस जारी करने और निर्माण रोकने के लिए कहने के बावजूद, ग्रामीणों ने इसे नहीं रोका।

जिला प्रशासन का कहना है कि इन अवैध निर्माणों से न केवल शासन-प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है, बल्कि इससे भारी राजकीय क्षति भी हो रही थी। जिन 28 ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें नगला हुकमसिंह निवासी बृजेश, हरेंद्र, धीरेंद्र, नरेश, ध्रुव, सुधीर, अमर, अवधेश, वीर बहादुर, सचिन, अंकुर और दीपक शामिल हैं।

किर्गिस्तान में फंसे पीलीभीत के 12 लोगों की जल्द होगी घर वापसी

परिजनों की गुहार पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने विदेश मंत्रालय के माध्यम से कराई तत्काल कार्रवाई

पीलीभीत। किर्गिस्तान में फंसे पीलीभीत के 12 लोगों की सकुशल और शीघ्र घर वापसी की प्रक्रिया तेज हो गई है।

दो दिन पूर्व परिजनों ने अपनी पीड़ा बताते हुए सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को किसान नेता देव स्वरूप पटेल के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा था, जिस पर मंत्री ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई कराई ।जितिन प्रसाद ने विदेश मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से किर्गिस्तान के अधिकारियों से वार्ता कर स्पष्ट निर्देश दिए कि पीलीभीत के 12 लोगों सहित किसी भी भारतीय नागरिक को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सभी को नियमानुसार जल्द से जल्द घर भेजने की प्रक्रिया पूरी की जाए। किर्गिस्तान और भारत सरकार के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर परिजनों के सामने ही पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में मंत्री जितिन प्रसाद ने परिजनों से मिलकर उनके दुख-दर्द को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि सभी लोग सुरक्षित लौटेंगे।

उन्होंने परिजनों के साथ भोजन भी किया। परिजनों को दिल्ली लाने की व्यवस्था भी मंत्री के निर्देश पर की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, किसान नेता देव स्वरूप पटेल, लेखराज भारती, डॉ. सौरभ शर्मा, सतीश पांडे, अन्नू मिश्रा, गोकुल प्रसाद मौर्य और आयुष मिश्रा सुबह तड़के 6 बजे पीलीभीत से परिजनों को लेकर दिल्ली पहुंचे ।जितिन प्रसाद ने बताया कि विदेश से घर वापसी की औपचारिक प्रक्रिया में आमतौर पर लगभग 10 दिन लगते हैं, और 24 दिसंबर तक सभी लोग सुरक्षित अपने घरों को लौट आएंगे।

संभल में दंगाइयों के पत्थर से बनी नई पुलिस चौकी

संभल। संभल हिंसा में दंगाइयों ने जो ईंट-पत्थर पुलिस पर फेंके थे, उन्हीं से चौकी बनकर तैयार हो गई। इसका नाम दीपा सराय रखा गया है। शुक्रवार को चौकी का इनॉगरेशन हुआ। इस दौरान बाकायदा हवन-पूजन किया गया। सीओ कुलदीप कुमार यजमान बने। दो पंडितों ने हवन-पूजन कराया। चौकी को गुब्बारों से सजाया गया। चौकी सपा सांसद जिया उर्रहमान बर्क, हिंसा के मास्टरमाइंड और फरार गैंगस्टर शारिक साठा के घर से 100 मीटर की दूरी पर है। इसका निर्माण 24 नवंबर 2024 की हिंसा के बाद 4 मार्च 2025 को शुरू हुआ था। मुस्लिम बच्ची इनाया के हाथों चौकी की नींव की पहली ईंट रखवाई गई थी। 9 महीने 13 दिन में चौकी बनकर तैयार हुई। दो मंजिला चौकी में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। पूरी चौकी सीसीटीवी कैमरों से लैस है। इससे पहले संभल जामा मस्जिद के बगल में सत्यव्रत चौकी बनाई गई थी, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहती है।

मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक निकला इंजीनियर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी ,सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली ललितपुर पुलिस द्वारा थाना कोतवाली ललितपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 1422/2025 धारा 319, 318(4), 338, 336(3),336(4),340(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त अभिनव सिंह पुत्र चन्द्रपाल सिंह उम्र करीब 57 वर्ष निवासी 19 तालाबपुरा थाना कोतवाली ललितपुर जनपद ललितपुर हाल पता आरएलएम कालेज के पास खुरई थाना खुरई ग्रामीण जिला सागर म0प्र0 को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा हेतु मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया है। वादी मुकदमा डॉ. रामनरेश सोनी (उप मुख्य चिकित्साधिकारी) कार्यालय सी.एम.ओ. ललितपुर द्वारा थाना कोतवाली ललितपुर पर प्रार्थना-पत्र देकर अवगत कराया था कि अभियुक्त द्वारा अपने जीजा(बहन के पति) की पहचान व उनकी एमबीबीएस तथा एमडी की डिग्री लेकर कूट रचित दस्तावेज तैयार कर, भौतिक व आर्थिक लाभ हेतु स्वायत्तशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज, ललितपुर में जिला सीसीयू एवं कैंसर केयर की यूनिट में विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट एवं जनरल मेडिसिन) के पद पर नौकरी प्राप्त कर, अनैतिक लाभ प्राप्त करना एवं हृदय रोग विशेषज्ञ की न तो कोई डिग्री होने और न ही किसी प्रकार का अनुभव होने के बावजूद कई मरीजों के जीवन के साथ जानबूझकर खिलवाड़ किया गया है । प्रार्थना-पत्र के आधार पर थाना कोतवाली ललितपुर पर तत्काल सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत किया गया है ।

अचानक पेट दर्द से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

देर रात बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल में उपचार के दौरान सुबह हुई मौत

गजरौला। थाना क्षेत्र के ग्राम बिधिपुर में बुधवार देर रात दर्दनाक घटना हो गई, जब 30 वर्षीय युवक तोताराम पुत्र रामपाल की अचानक पेट दर्द के बाद मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रात लगभग 1 बजे तोताराम को तेज पेट दर्द हुआ, जिसके बाद परिजन उन्हें एंबुलेंस की मदद से तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर सुबह करीब 4 बजे उनकी मौत हो गई।

घटना की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पत्नी पुष्पा देवी, 14 वर्षीय बेटा राजेश, बेटी शिवानी और बूढ़े माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे राजेश ने बताया कि अचानक पापा की तबीयत बिगड़ गई और हम एंबुलेंस से अस्पताल ले गए, लेकिन सुबह उनका निधन हो गया ।तोताराम चार भाई-बहनों में सबसे बड़े थे और परिवार का मुख्य सहारा थे।

उनकी मां हीरा कली ने बताया कि बड़े बेटे की मौत ने पूरे परिवार को बेसहारा कर दिया है। गांव में भी गम का माहौल है और लोग शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं।

प्रगतिशील किसान के खेत पहुंचे जिला गन्ना अधिकारी

सहफसली खेती को बढ़ावा, मटर के साथ गन्ने की खेती से बढ़ रही पैदावार और किसानों की आमदनी

पीलीभीत। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने शुक्रवार को ग्राम सैदपुर के प्रगतिशील गन्ना किसान हरिशंकर मौर्य के खेत का भ्रमण किया। हरिशंकर मौर्य द्वारा दो एकड़ गन्ने की खेती के साथ सहफसली रूप में मटर की ए.पी.-3 प्रजाति बोई गई है। गन्ने की बुवाई चार फीट की दूरी पर की गई है, जिसमें दो लाइनों के बीच मटर की दो लाइनें लगाई गई हैं।

किसान हरिशंकर मौर्य ने बताया कि वह अधिकतर गन्ने की बुवाई शरदकाल में ही करते हैं और गन्ने के साथ विभिन्न फसलों की सहफसली खेती अपनाते हैं। उनके अनुसार सहफसली खेती से फसल की लागत निकल आती है और गन्ने से अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है। दलहनी फसलें न केवल घरेलू दाल की जरूरत को पूरा करती हैं, बल्कि मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण के कारण उसकी उर्वरता भी बढ़ाती हैं ।जनपद में अब तक 8,000 हेक्टेयर क्षेत्र में 18,327 किसानों द्वारा शरदकालीन गन्ना बुवाई की जा चुकी है। शरदकालीन बुवाई से अधिक पैदावार प्राप्त होती है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होती है। साथ ही अधिक चीनी पर्ता मिलने से चीनी मिलों को भी लाभ होता है। गन्ने के साथ दलहनी फसलों की बुवाई से मिट्टी की संरचना में सुधार, मिट्टी में वायुसंचार में वृद्धि और कीट-रोगों में कमी आती है।

यही कारण है कि जनपद पीलीभीत के किसान गन्ने के साथ मटर, मसूर, राजमा, चना और बांकला जैसी फसलों को अपनाते हैं। इसके अलावा कई किसान आलू, फूलगोभी, पत्तागोभी, सरसों, अलसी, मूली, शलजम, लहसुन और धनिया जैसी सब्जियों की भी सहफसली खेती कर रहे हैं।

भ्रमण के दौरान रामभद्र द्विवेदी (ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक) और रोहतास उपाध्याय (गन्ना पर्यवेक्षक) उपस्थित रहे।

आई. जी. ने किया पुलिस लाइन झांसी का वार्षिक निरीक्षण

मॉक ड्रिल्स का अभ्यास कराकर दंगा, भीड़ नियंत्रण की बारीकियों की जानकारी दी

ललितपुर। पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र आकाश कुलहरि द्वारा जनपद झाँसी के प्रस्तावित वार्षिक निरीक्षण के अनुक्रम में द्वितीय दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन झाँसी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान परेड दल की टर्नआउट, ड्रिल, अनुशासन, समयबद्धता एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का विस्तृत परीक्षण किया गया। परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्लाटून को महानिरीक्षक द्वारा सराहना प्रदान की गई।। महानिरीक्षक द्वारा महिला रिक्रूट आरक्षियों को परेड के महत्व, बल अनुशासन तथा पुलिस सेवा में इसकी अनिवार्यता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। परेड निरीक्षण उपरांत परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। इसके उपरान्त परेड में उपस्थित पुलिस कर्मियों, यू0पी0-112, फायर सर्विस, डॉग स्कवायॅड की टीम, रिक्रूट आरक्षियों से किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थितियों से निपटने हेतु दंगा नियन्त्रण उपकरणों के साथ बलवा मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया व उपकरणों की दक्षता व रखरखाव के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये। तत्पश्चात पुलिस लाइन स्थित विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों—कैश कार्यालय, गणना कार्यालय, गैस गोदाम, चक्की, शस्त्रागार—का क्रमवार निरीक्षण किया गया।

डीआईजी ने सुनी पुलिस पेंशनर्स की समस्याएं

ललितपुर। झांसी पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी आकाश कुलहरि द्वारा जनपद झाँसी के प्रस्तावित वार्षिक निरीक्षण के क्रम में द्वितीय दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन झाँसी का विस्तृत निरीक्षण किया गया। एसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस पेंशनरों के साथ संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान आईजी द्वारा सभी उपस्थित पुलिस पेंशनरों से संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा, समस्याओं एवं आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उक्त अवसर पर प्राप्त समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा पेंशनरों को हर संभव सहायता एवं सहयोग का आश्वासन दिया गया।

बच्चे का पूरा टिकट लेने पर ब्लू वर्ल्ड पर जुर्माना

कानपुर। कानपुर में बच्चे का पूरा टिकट लेने पर ब्लू वर्ल्ड पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगा है।8 साल पुराने केस में जिला उपभोक्ता फोरम ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। ब्लू वर्ल्ड मैनेजमेंट को बच्चे के टिकट के 170 रुपए और मुकदमा खर्च के 6 हजार रुपए देने का भी आदेश दिया।

कोर्ट ने कहा कि यह धनराशि पीड़ित को 45 दिनों के भीतर देनी होगी। पीड़ित ने ब्लू वर्ल्ड के डायरेक्टर को पक्षकार बनाते हुए उपभोक्ता फोरम 23 अक्टूबर 2017 को परिवाद दायर किया था।

किदवई नगर कॉलोनी में रहने वाले मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि उन्होंने अखबारों में ब्लू वर्ल्ड का विज्ञापन देखा। इसमें ब्लू वर्ल्ड आओ, गिफ्ट ले जाओ, शीर्षक से परिवार के लिए पैकेज दिया गया था। विज्ञापन में बच्चों के लिए आधे टिकट पर एंट्री की बात लिखी गई थी।

14 अगस्त, 2017 को मैं अपनी पत्नी और 2 बच्चों के साथ ब्लू वर्ल्ड पहुंचा। यहां बेटी के आधे टिकट के हिसाब से मैंने 4 लोगों के 1750 रुपए दिए।

लेकिन, टिकट विंडो पर मुझे बताया गया कि बेटी का पूरा टिकट लगेगा। ब्लू वर्ल्ड मैनेजमेंट ने बताया कि जिनकी हाइट 110 सेमी से कम होती है, उन्हें हम लोग बच्चा मानते हैं।

आई. जी. ने थाना नवाबाद का किया वार्षिक निरीक्षण

आई. जी. पंजीकृत अपराधों की लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा कर वांछित अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी के दिये निर्देश

ललितपुर । झांसी पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी आकाश कुलहरि द्वारा जनपद झाँसी के प्रस्तावित वार्षिक निरीक्षण के क्रम में देर शाम थाना नवाबाद का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, विवेचना कक्ष, CCTNS, IGRS, आगन्तुक कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, भोजनालय, थाना परिसर, बैरक, मालखाना, शस्त्रागार, आदि का विस्तृत निरीक्षण किया गया तथा रजिस्टरों के अभिलेखों की प्रविष्टियों को चेक कर सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारीगण को महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये गये। थाने पर तैनात पुलिस बल को दंगा नियन्त्रण उपकरणों को पहनवाकर देखा गया तथा शस्त्र हैण्डलिंग भी करवाई गयी। थाना परिसर, कार्यालय, भोजनालय को साफ रखने, कार्यालय में अभिलेखों को दुरुस्त रखने व शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई व रखरखाव करने, निष्प्रोज्य दंगा नियंत्रण उपकरणों को बदलकर नए प्राप्त करने, लंबे समय से थाने में दाखिल अभियोगों से संबंधित लावारिस एवं जब्त वाहनों की नीलामी व माल निस्तारण कराने का निर्देश दिये गये। थानों पर नियुक्त बीट आरक्षियों से बीट की जानकारी की गयी तथा थाने पर नियुक्त आरक्षी/महिला आरक्षी को बीट वितरण कर बीट क्षेत्र की जानकारी बीट बुक में अंकित करने हेतु निर्देशित किया गया तथा हल्का दरोगा बीट कांस्टेबल और ग्राम चौकीदार मिलजुल कर अभिसूचना तंत्र मजबूत करें। थाना कार्यालय के अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, चुनाव रजिस्टर, भूमि विवाद, महिला उत्पीड़न, हत्या बलवा, गुमशुदा, पासपोर्ट व गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत जेल भेजे गये अपराधियो के चिन्हीकरण रजिस्टर, क्रियाशील अपराधी रजिस्टर, टॉप-10 रजिस्टर, भूमाफिया रजिस्टर, फ्लाई शीट व रजिस्टर आदि का गहनता से अवलोकन कर संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

निर्माणाधीन अस्पताल सील करने का आदेश रद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महराजगंज के सोनौली में निजी अस्पताल को बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए व ठोस आधार के सिर्फ शिकायत पर सील करने की कार्रवाई पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई है। कोर्ट ने मनमानी सीलिंग कार्रवाई के कारण राज्य सरकार पर 20 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है और तत्काल अस्पताल का सील हटाने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा हर्जाना राशि में दस हजार याची को और शेष विधिक सेवा समिति को जमा करने का आदेश दिया और कहा सरकार जिलाधिकारी की जांच पर हर्जाना दोषी अधिकारियों से वसूल सकती है।

कोर्ट ने नियमानुसार याची के अस्पताल के पंजीकरण अर्जी पर निर्णय लेने का आदेश दिया है। और कहा कि यदि अर्जी निरस्त होती है तो कारण स्पष्ट किया जाय ।और याची को अस्पताल की कमी दूर करने को कहा जाय।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने डॉ. नरेश कुमार गुप्ता की याचिका पर दिया है। याची एक निर्माणाधीन अस्पताल के संचालक हैं।

अस्पताल के एक कर्मचारी ने 3 जुलाई 2025 को पुलिस में शिकायत की कि अस्पताल में सरकारी दवाएं और एक्सपायर्ड लैब किट मौजूद हैं। इसी शिकायत के आधार पर थाना सोनौली ने जिला मजिस्ट्रेट को एक रिपोर्ट भेजी, जिसमें अस्पताल के फर्जी दस्तावेजों से चलने और बिना पंजीकरण के संचालित होने का आरोप लगाया गया। इसके बाद 5 जुलाई को एक निरीक्षण दल ने अस्पताल का दौरा किया और 6 जुलाई को दी गई रिपोर्ट के आधार पर परिसर सील कर दिया गया।

गर्लफ्रेंड ने बात नहीं मानी तो गोली मारी

लखनऊ। लखनऊ में सिरफिरे प्रेमी ने युवती को गोली मार दी। वह आधी रात युवती के घर में घुस गया। उसके साथ मारपीट की। घर में रखे सामान तोड़ने लगा। इसके बाद युवती को 2 गोली मारी। पहली गोली युवती के कंधे और जबकि दूसरी हाथ में लगी।

युवती को कमरे में बंद करके वह स्कॉर्पियो से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज और चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। युवती को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सरोजनी नगर के गौरी बाजार के रहने वाले आकाश कश्यप के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। जांच में सामने आया कि आकाश युवती को ऑर्केस्ट्रा में डांस करने से रोकता था। युवती ने उसकी बात नहीं मानी तो उसने गोली मार दी। घटना गुरुवार रात करीब 2 बजे पारा थाना क्षेत्र की है। यहां 21 साल की युवती बड़ी बहन और भांजे-भांजी के साथ रहती है।

शार्ट न्यूज

17 दिसंबर को मनाया जाएगा पेंशनर दिवस, कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में होगा आयोजन

पीलीभीत। कोषागार पीलीभीत से पेंशन प्राप्त करने वाले सभी पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जिलाधिकारी के आदेशों के क्रम में वर्ष 2025 का पेंशनर दिवस 17 दिसंबर को गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट पीलीभीत में दोपहर 12 बजे आयोजित किया जाएगा ।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे, जबकि इसका समन्वयन वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा किया जाएगा। पेंशनर दिवस में जनपद के सभी प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष भी उपस्थित रहेंगे, ताकि पेंशनरों से जुड़ी समस्याओं की मौके पर ही सुनवाई की जा सके और उन पर शीघ्र व उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके ।कोषागार विभाग ने सभी पेंशनरों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कर अपनी समस्याओं के समाधान हेतु इस अवसर का लाभ उठाएँ। अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

पुलिस ने वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया

ललितपुर। महरौनी पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे जनपद मे अपराध की रोकथाम व गैर जमानती अपराधियो व वारण्टियो की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण मे थाना स्थानीय पर बाँछित वारण्टियाँ / अभियुक्तगणो की तलाश हेतु राजा दिनेश सिंह प्रभारी निरीक्षक महरौनी के नेतृत्व मे टीमो का गठन किया गया । इसी क्रम मे गठित टीमो के द्वारा थाना क्षेत्र /जनपद क्षेत्र मे तलाश वांछित अपराधी हेतु भ्रमणशील के दौरान आशाराम पुत्र जानकी उम्र करीब 54 वर्ष नि0 ग्राम टेनगा थाना महरौनी जनपद ललितपुर , केस सं0128/12 नन्दलाल बनाम देशराज थाना कोतवाली ललितपर धारा 379/504/506 भादवि अभियुक्त वारण्टी के घर ग्राम टेनगा थाना महरौनी से गिरफ्तार किया गया । जिसका दाखिला थाना महरौनी की रो. आम मे जीडी नं. 31 को किया गया वारण्टी / अभियुक्त आशाराम उपरोक्त के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय ललितपुर पेश किया जा रहा है।

आई. जी. ने सुनी पुलिस पेंशनर्स की समस्याएं

ललितपुर। झांसी पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी आकाश कुलहरि द्वारा जनपद झाँसी के प्रस्तावित वार्षिक निरीक्षण के क्रम में द्वितीय दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन झाँसी का विस्तृत निरीक्षण किया गया। एसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस पेंशनरों के साथ संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान आईजी द्वारा सभी उपस्थित पुलिस पेंशनरों से संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा, समस्याओं एवं आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उक्त अवसर पर प्राप्त समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा पेंशनरों को हर संभव सहायता एवं सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी बी.बी.जी.टी.एस मूर्ति, पुलिस अधीक्षक नगर प्रीति सिंह, क्षेत्राधिकारीगण, समस्त शाखा प्रभारी एवं अन्य आधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

दिव्यांग लड़की का घसीटकर चलती बस से फेंका

मेरठ। मेरठ में एक दिव्यांग युवती को रोडवेज कंडक्टर ने चलती बस से नीचे फेंक दिया। युवती ऑफिस जाने के लिए जैसे ही बस में चढ़ी। उसने अपना दिव्यांग पास कंडक्टर को दिखाया। ये देखते ही वह भड़क गया। युवती के बाल पकड़कर उसे बस से नीचे की ओर धक्का दे दिया। युवती साहिबाबाद में जॉब करती है। घटना गुरुवार की मोहन नगर मोड़ के पास की है। लड़की के परिवार वालों ने शुक्रवार को रोडवेज अफसरों कंडक्टर से शिकायत की। जिसके बाद आरोपी कंडक्टर को सस्पेंड कर दिया गया। घटना सिवालखास क्षेत्र की है। सिवालखास की एक दिव्यांग युवती साहिबाबाद की सेंट कंपनी में जॉब करती है। वह गुरुवार सुबह ऑफिस जाने के लिए घर से निकली। गाजियाबाद के मोहन नगर मोड़ पर युवती ने रोडवेज बस को हाथ का इशारा देकर रुकवाया। बस में चढ़ते ही उसने अपना पास कंडक्टर को दिखाया। यह देखते ही वह गुस्से से लाल हो गया।

बेटी के साथ जा रहे मदरसा टीचर की हत्या

रायबरेली। रायबरेली में एक मदरसा टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वो बाइक से बेटी को उसकी ससुराल से अपने घर ला रहे थे। रास्ते में हमलावरों ने उनकी बाइक रुकवाई। बेटी से अभद्रता की। उसके बाद तमंचा सिर से सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही टीचर का सिर फट गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटी के शोर मचाने पर हमलावर मौके से भाग गए। वारदात डीह थाना क्षेत्र के रोखा में सीएचसी के पास शुक्रवार दोपहर साढ़े 3 बजे हुई। मामला नसीराबाद थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान पूरे पाठक बिन्नावां में रहने वाले मुर्तजा (45) के रूप में हुई है। बेटी बोली- मुझे धक्का देकर गिरा दिया बेटी इशरत जहां ने बताया- रोखा अस्पताल के पास ही मो. अजूब, बब्बू, मो. नन्हे, मो. जब्बार, मो. मुर्तजा समेत 6-7 लोग घात लगाकर बैठे थे। इन लोगों ने मेरे अब्बू को घेर लिया। इस पर अब्बू को बाइक रोकनी पड़ी। इसके बाद उन लोगों ने अब्बू को पीटना शुरू कर दिया। जब मैंने विरोध किया, तो मुझे धक्का देकर गिरा दिया।

महिला से चेन छीनने वाला अरेस्ट

सहारनपुर। सहारनपुर पुलिस ने एक महिला से चेन छीनने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ढाई लाख रुपए कीमत की पीली धातु की चेन भी बरामद की है। यह घटना 10 दिसंबर को हुई थी। न्यू जवाहर पार्क निवासी ऋषभ सिंगल ने थाना मंडी पुलिस को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी मौसी खरीदारी के लिए निकली थीं, तभी एक युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपटी और फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। वारदात का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी और पुरानी आपराधिक घटनाओं का मिलान किया। शुक्रवार शाम मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मंडी समिति परिसर स्थित कूड़ा घर के पास दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के कोटा जिले के गांव खेड़ा भोपाल निवासी अरुण मीणा उर्फ राम के रूप में हुई है।

लखनऊ में साइबर ठगों ने 4.28 करोड़ करी ठगी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने आशियाना के रिटायर्ड अधिकारी सहित पांच लोगों के खातों से 4 करोड़ 28 लाख रुपए उड़ा लिए गए। ठगी के ये तरीके भी अलग-अलग थे। कभी क्रिप्टो में मोटा मुनाफा, कभी शेयर ट्रेडिंग का लालच, कभी सरिया आपूर्ति का झांसा, तो कभी रिश्तेदारी और पहचान का हवाल देकर ठगी की गई। आशियाना सेक्टर जी निवासी और रिटायर्ड अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह को नवंबर में टोकॉ क्रिप्टो नाम के व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया। एडमिन ने क्रिप्टो में भारी मुनाफे का लालच देकर उन्हें एक ऐप डाउनलोड करवा दिया। प्रदीप ने कई किश्तों में 70 लाख रुपए ऐप पर डाल दिए। लाभ दिखने पर निकासी की कोशिश की तो एडमिन ने शर्तों का पिटारा खोल दिया और आखिर में पूरा पैसा डूब गया। इंदिरा नगर सेक्टर सी निवासी बुजुर्ग ब्रह्मानंद को भी शेयर मार्केट में बड़ा रिटर्न दिलाने का झांसा दिया गया। उन्होंने धीरे-धीरे 1 करोड़ 86 लाख रुपए निवेश कर दिए। जब निकासी की बात आई, तो पूरा खाता खाली निकल आया।

संक्षिप्त समाचार

रूसी विदेश मंत्री ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को सराहा

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने बुधवार को भारत की स्वतंत्र और बहु-आयामी विदेश नीति की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक मंच पर अपनी नीति स्वयं तय करने वाला देश है और सभी प्रमुख देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रख अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। रूस की संसद का उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, वैश्विक दक्षिण के कई देश ऐसी नीति अपना रहे हैं और हमारे अच्छे मित्र भारत ने इसे बेहतरीन तरीके से लागू किया है। भारत सभी पक्षों के साथ संबंध रखता है और यह उसकी मजबूत, स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत है। लावरोव ने कहा, रूस अपनी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य घरेलू विकास को बढ़ावा देना मानता है और यह लक्ष्य भारत की रणनीतिक सोच से मेल खाता है। उन्होंने बताया, दोनों देशों के उद्देश्यों व आकलनों की समानता हाल ही में राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली यात्रा के दौरान फिर स्पष्ट हुई। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम तैयार किया है।

ऑस्ट्रेलिया- हत्यारोपी भारतवंशी को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई

क्वींसलैंड , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के एक समुद्र तट पर 24 वर्षीय महिला की हत्या के आरोप में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटना 2018 में हुई थी। केर्न्स स्थित सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व नर्स राजविंदर सिंह (41) को टोया कॉर्डिंगली की हत्या का दोषी पाया। न्यायमूर्ति लिंकन क्रॉली ने कहा, सिंह का हत्या का मकसद अज्ञात था और इसे अवसरवादी हत्या करार दिया। सिंह ने यह हत्या उस वक्त की जब कॉर्डिंगली अपने कुत्ते को टहला रही थी। कॉर्डिंगली पोर्ट डगलस में एक स्वास्थ्य खाद्य और फार्मेसी स्टोर में काम करती थीं और एक पशु आश्रय में स्वयंसेवा भी करती थी। हत्या के बाद सिंह भारत भाग गया और ऑस्ट्रेलिया में अपनी पत्नी, बच्चों और माता-पिता को छोड़ गया। जज ने कहा, उसने अपनी पत्नी, माता-पिता और बच्चों को ठीक से बात किए बिना ही देश छोड़ दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी एकमात्र चिंता अपने परिवार के लिए परिणामों की परवाह किए बिना अपनी जान बचाना थी।

थाईलैंड व कंबोडिया सीमा पर लड़ाई थमने के संकेत नहीं, लाखों विस्थापित

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर फिर से शुरू हुई लड़ाई थमने के बुधवार को भी कोई संकेत नहीं दिखे, बल्कि कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हन सेन ने भीषण युद्ध का संकल्प लिया। इस तनाव से दोनों देशों में लाखों विस्थापित लोग अस्थाई आश्रयों में शरण लेने के कारण दयनीय परिस्थितियों में आ गए हैं। थाई सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल सुरासंत कोंगसिरी ने बुधवार को बताया कि थाईलैंड के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से लगभग चार लाख लोगों को निकाला गया है और चार सीमावर्ती प्रांतों में लड़ाई जारी रहने के दौरान लगभग 700 स्कूल बंद कर दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, कंबोडिया ने भी 1.27 लाख से अधिक ग्रामीणों को निकाला है और सैकड़ों स्कूल बंद कर दिए हैं। थाईलैंड की सेना ने कहा, इस सप्ताह हताहतों में पांच सैनिक शामिल हैं। कंबोडिया में 7 लोग मरे और 20 अन्य घायल हुए हैं। हालांकि उसने बुधवार को आंकड़े अपडेट नहीं किए। इस बीच कंबोडिया ने थाईलैंड में मंगलवार से शुरू हुए 33वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेलों से अपनी पूरी टीम को वापस बुला लिया है।

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित, सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं।

नेपाल में संविधान संशोधन की तैयारी, चुनाव सुधारों के लिए सरकार और 'जेन-जी' में हुआ 10 सूत्रीय समझौता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम सरकार मौजूदा संविधान में संशोधन की दिशा में कदम उठाएगी। इन संशोधनों का मकसद आबादी के आधार पर पूरी तरह इसके अनुरूप और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना व प्रमुख सरकारी पदों पर चुने गए अधिकारियों के लिए कार्यकाल की सीमा तय करना है। 'जेन-जी' प्रतिनिधियों और सरकार के बीच बुधवार रात को हुए 10 सूत्रीय समझौते के अनुसार एक उच्चस्तरीय संविधान संशोधन सिफारिश आयोग का गठन किया जाएगा, जिसमें संबंधित हितधारक, स्वतंत्र विशेषज्ञ और 'जेन-जी' प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस आयोग को प्रगतिशील संवैधानिक बदलावों के लिए सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा जाएगा, जो 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों की आकांक्षाओं के अनुरूप होगी, जिन्होंने पिछली केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार को गिराया था। इसके बाद नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनाई गई। आयोग किसी खास समुदाय की आबादी के आधार पर पूरी तरह से अनुरूप और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए चुनावी प्रणाली में जरूरी सुधारों की सिफारिश करेगा। फिलहाल, नेपाल का संविधान प्रतिनिधि सभा और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक मिश्रित चुनावी प्रणाली (फर्स्ट पास्ट द पोस्ट) और आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) का

प्रावधान करता है। 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' प्रणाली के तहत, 60 प्रतिशत प्रतिनिधियों को चुना जाता है, जबकि बाकी 40 प्रतिशत को आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से चुना जाता है। समझौते के अनुसार आयोग राज्य के प्रमुख, तीनों स्तरों (संघीय, प्रांतीय और स्थानीय) के प्रमुखों और कार्यकारी निकायों के सदस्यों के लिए अधिकतम दो कार्यकाल (कुल 10 वर्ष से अधिक नहीं) की कार्यकाल सीमा की सिफारिश भी करेगा। फिलहाल कार्यकाल की सीमा सिर्फ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और स्थानीय सरकारों के प्रमुखों पर लागू होती है। संघीय या प्रांतीय सरकारों के प्रमुखों के लिए कोई कार्यकाल सीमा नहीं है। बैठक में ये भी चर्चा हुई कि राजनीतिक नेता बार-बार सत्ता में आते रहे और कोई नतीजा नहीं दिया, जिसे 'म्यूजिकल चेयर्स' जैसा खेल बताया गया। इसी से नेपाली युवाओं में भारी असंतोष पैदा हुआ। यह गुस्सा इस साल सितंबर में हुए 'जेन-जी' प्रदर्शनों में स्पष्ट रूप से दिखा। 'जेन-जी' आंदोलन से पहले नेपाल में वर्षों तक नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के केपी शर्मा ओली और नई गठित नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' समेत शीर्ष नेताओं ने बार-बार सरकार की बागडोर संभाली। सितंबर में 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों के निशाने पर राजनीतिक दलों के कई नेता आए। प्रतिनिधि सभा आयोग, प्रांतीय सभा और स्थानीय स्तर के चुने हुए पदों के लिए उम्मीदवारी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष करने के प्रस्ताव का भी अध्ययन करेगी। अभी संघीय संसद और प्रांतीय सभाओं में चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल है, जबकि स्थानीय स्तर के चुने हुए पदों के लिए उम्र 21 साल है। राज्य निकायों में राजनीतिक वफादारी और आर्थिक हितों के आधार पर नियुक्तियों की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए आयोग ऐसी नियुक्तियों के लिए जिम्मेदार मौजूदा संरचनाओं में जरूरी सुधारों की जांच करेगा। जुलाई 2024 में केपी शर्मा ओली सरकार बनने पर उसके दो गठबंधन साझेदारों- नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) ने राजनीतिक स्थिरता के लिए संविधान संशोधन का वादा किया था। दोनों पार्टियों के नेताओं ने यह राय व्यक्त की थी कि आनुपातिक चुनावी प्रणाली को खत्म कर देना चाहिए, ताकि एक ही पार्टी सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें हासिल कर सके। हालांकि सितंबर में 'जेन-जी' विरोध प्रदर्शनों के बाद उस सरकार के गिरने से पहले संविधान में संशोधन के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया था।

क्या फिर गृहयुद्ध की दल-दल में फंसा यमन? यूएई समर्थित एसटीसी ने तेल-समृद्ध इलाकों पर किया कब्जा

सना, एजेंसी। यमन में कई साल से चल रही अशांति बीच दक्षिणी हिस्से में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समर्थित अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) ने देश के तेल-समृद्ध इलाकों हदरामौत और महरा के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इससे अब तक बनी हुई हाल की शांति टूट गई है और क्षेत्र में नए तनाव बढ़ने लगे हैं। देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से यमन में लड़ाई कुछ कम हो गई थी, क्योंकि सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच एक तरह का समझौता हो गया था। लेकिन एसटीसी की इस नई कार्रवाई से हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं।

एसटीसी दक्षिण यमन को अलग देश बनाने की मांग करने वाला बड़ा संगठन है। इसे यूएई का राजनीतिक और सैन्य समर्थन मिलता है। यह संगठन 2017 में बना था और दक्षिणी यमन के बड़े हिस्से में इसकी पकड़ मजबूत है। एसटीसी के प्रमुख ऐदारूस अल-जुबैदी देश की राष्ट्रपति परिषद के उपाध्यक्ष भी हैं।

अब समझिए कैसे शुरू हुआ यमन का संकट : बता दें कि 2014 में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को देश छोड़ना पड़ा। एक साल बाद 2015 में सऊदी अरब और यूएई इस युद्ध में सरकार की

मदद के लिए शामिल हुए। हालांकि तब से यमन दो हिस्सों में बंट चुका था। एक तरफ उत्तरी इलाके में हूतियों के कब्जें में और दूसरी ओर दक्षिणी हिस्से सरकार व उसके समर्थक समूहों के नियंत्रण में था।

तेल क्षेत्रों पर कब्जे से मामला कैसे बढ़ा : दरसअल इसी महीने एसचीसी ने अचानक हदरामौत में मार्च करते हुए बड़े तेल प्रतिष्ठानों पर कब्ज़ा कर लिया, जिनमें यमन की सबसे बड़ी तेल कंपनी पेट्रोमसीला भी शामिल है। इससे पहले सऊदी समर्थित स्थानीय कबीलों ने तेल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग करते हुए इस इलाके पर कुछ समय के लिए कब्जा किया था।

ऐसे में एसटीसी ने इसी को मौका बनाकर अपनी ताकत बढ़ाई और इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। इसके बाद एसटीसी ने पड़ोसी प्रांत महरा में भी प्रवेश किया और ओमान सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण चेकपोस्ट पर कब्जा कर लिया। अदन में उन्होंने राष्ट्रपति भवन पर भी नियंत्रण कर लिया, जहां सरकारी नेतृत्व बैठता है।

मोरक्को के एक शहर में दो इमारतें गिरीं, 22 की मौत; दरारों की अनदेखी बन गई मौत की वजह

रबात, एजेंसी। मोरक्को के ऐतिहासिक शहर फेज में बुधवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। पुराने इलाके में दो चार-मंजिला इमारतें अचानक ढह गईं, जिसमें कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। यह घटना उस क्षेत्र में हुई, जहां इमारतों के खराब हालात की शिकायतें पहले से थीं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई परिवार मलबे में दब गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, अल-मुस्तक़बल इलाके में स्थित दोनों इमारतों में आठ परिवार रहते थे। रात के समय ये इमारतें अचानक भरभराकर गिर पड़ीं। सरकारी एजेंसी के अनुसार, दोनों इमारतों में लंबे समय से दरारें थीं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जैसे ही प्रशासन को घटना की जानकारी मिली, पुलिस, स्थानीय अधिकारी और सिविल प्रोटेक्शन टीमें मौके पर पहुंचीं और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। सरकारी मीडिया वेबसाइट एसएनआरटी ने बताया कि दोनों इमारतों में काफी समय से दरारें दिख रही थीं। लोगों ने इस बारे में चिंता भी जताई थी, लेकिन कोई प्रभावी उपाय नहीं किए गए। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अचानक गिरने का कारण क्या था, लेकिन माना जा रहा है कि संरचनात्मक कमजोरी ही मुख्य वजह बनी। हालांकि अमर उजाला इसकी पुष्टि नहीं करता है। फेज मोरक्को का तीसरा सबसे बड़ा शहर और पुराना राजधानी शहर है, जिसकी स्थापना आठवीं सदी में हुई थी। कुछ समय पहले यह शहर सरकार के खिलाफ बढ़ते असंतोष के कारण सुर्खियों में रहा था। लोगों ने खराब जीवन स्तर, महंगाई और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ बड़े प्रदर्शन किए थे। यह गुस्सा इतना बढ़ गया था कि कुछ जगहों पर आंदोलन हिंसा में बदल गया। मोरक्को के बड़े शहर और आर्थिक केंद्र देश के उत्तर-पश्चिम हिस्से में हैं, जबकि बाकी इलाकों की अर्थव्यवस्था अब भी खेती, मछली पालन और पर्यटन पर निर्भर है। सरकार बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और वर्ल्ड कप 2030 से पहले स्टेडियम निर्माण पर जोर दे रही है। लेकिन इसी बीच ग्रामीण और छोटे शहरों में गरीबी और मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ी है।

डेमोक्रेट्स ने उठाए ट्रंप की नीतियों पर सवाल, चेताया- ज्यादा टैरिफ से भारत को खो देगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से जुड़े फैसलों को लेकर डेमोक्रेट्स ने उन्हें चेताया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ सिस्टम और नई दिल्ली के प्रति टकराव वाला रवैया सही नहीं है। यह अमेरिका के सबसे अहम साझेदारों में से एक को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है। हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी ऑन साउथ एंड सेंट्रल एशिया की यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक रैंकिंग मेंबर सिडनी कामलेगर-डोव ने ट्रंप पर दशकों की द्विदलीय प्रगति को खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप को एक अच्छा द्विपक्षीय संबंध सौंपा था। इसमें एक फिर से सक्रिय क्वाड, एक उभरती हुई रक्षा तकनीक

साझेदारी और एक भरोसेमंद सप्लाई चेन पार्टनर का हवाला दिया गया था, लेकिन ट्रंप ने उसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इतिहास ट्रंप को कड़ा सबक सिखा सकता है, जब तक वह अपना रास्ता नहीं बदलते। ऐसी सूरत में ट्रंप वह अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे, जिन्होंने भारत को खो दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा, 'आप (ट्रंप) रणनीतिक साझेदारों को अपने दुश्मनों की गोद में धकेलकर नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीत सकते। मामला ट्रंप के 25 प्रतिशत 'लिबरेशन डे टैरिफ' का था। भारत के रूसी तेल के आयात से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था और भारत पर टैरिफ का कुल 50 प्रतिशत बोझ आ गया। उन्होंने ट्रंप की नीति को आत्मघाती बताते हुए कहा कि भारत पर लगाया गया टैरिफ वर्तमान में चीन पर लगाए गए टैरिफ से अधिक है। डेमोक्रेट्स ने ट्रंप पर एच-1बी वीजा पर 100,000 डॉलर की फीस लगाकर लोगों के बीच संबंधों पर हमला करने का भी आरोप लगाया, जिसमें से 70 प्रतिशत भारतीयों के पास हैं। उन्होंने इसे यूएस में भारतीयों के अविश्वसनीय योगदान का अपमान बताया। भारत के प्रमुख थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अमेरिकी सहयोगी ओआरएफ अमेरिका के ध्रुव जयशंकर ने कहा कि व्यापार वार्ता 13 फरवरी से पहले शुरू हुई थी और जुलाई तक, दोनों पक्ष एक समझौते के काफी करीब पहुंच गए थे। भारत सक्रिय रूप से मुक्त व्यापार सौदों पर काम कर रहा है और अगर वाशिंगटन में राजनीतिक इच्छाशक्ति है तो एक समाधान हाथ में है। यह भी चेतावनी दी गई कि टैरिफ की वजह से चीन का मुकाबला करने और सप्लाई चेन को स्थिर करने सहित जरूरी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर खतरा मंडरा सकता है।

अंटार्कटिका के नीचे रोबोटिक मिशन ने गर्म धाराओं का रहस्य किया उजागर, वैश्विक जलवायु चिंताओं को बढ़ाया

अंटार्कटिका, एजेंसी। अंटार्कटिका की डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे पहली बार किए गए रोबोटिक सर्वे ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है कि गर्म और खारा गहरा समुद्री जल बर्फ के बिल्कुल निचले हिस्सों तक बिना किसी बड़े मिश्रण के क्षैतिज रूप से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंच रहा है। वह संवेदनशील इलाका है जहां ग्लेशियर समुद्र तल को छोड़कर तैरना शुरू करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन ने पिघलन की वास्तविक प्रक्रिया को समझने की दिशा में बड़ा मोड़ दिया है और समुद्र-स्तर में भविष्य की वृद्धि के अनुमानों को लेकर वैज्ञानिक समुदाय को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है। यूईए के वैज्ञानिकों ने 2022 में बोटी मैकबोटफेस नामक पानी के भीतर चलने वाले उन्नत स्वायत्त रोबोट की मदद से अमुंडसेन सागर में स्थित डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे लगभग 100 किलोमीटर लंबा पहला गहन सर्वेक्षण संचालित किया। मिशन ने समुद्री तल से करीब 100 मीटर ऊपर रहकर तापमान, लवणता, ऑक्सीजन स्तर, धारा की रफ्तार और जल मिश्रण के आंकड़े जुटाए जो अब तक अंटार्कटिका की कठिन परिस्थितियों में लगभग असंभव माने जाते थे।डॉटसन विश्व के उन क्षेत्रों में गिना जाता है जहां ग्लेशियर सबसे तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र की गहराइयों से आने वाली गर्मी को इसका प्रमुख कारण बताया जाता है। लेकिन अब इस शोध ने दिखाया कि गर्मी किस तरह बर्फ के आधार तक पहुंचती है, यह हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा जटिल है।

गर्म पानी ऊपर नहीं उठता, सीधे ग्राउंडिंग लाइन की ओर बहता है : सबसे बड़ा खुलासा यह है कि गर्म, गहरा और अधिक खारा पानी पारंपरिक धारणा के विपरीत ऊपर की ओर मिलकर पिघलन नहीं बढ़ाता, बल्कि क्षैतिज दिशा में तेजी से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है। इसका मतलब है ग्लेशियर नीचे से अधिक पिघलते हैं। उनकी संरचना तेजी से कमजोर होती है तथा पीछे हटने की रफ्तार बढ़ती है और समुद्र में बर्फ का नुकसान कई गुना बढ़ता है। यह प्रक्रिया वैश्विक समुद्र-स्तर बढ़ोतरी में बड़ा योगदान देती है, क्योंकि अमुंडसेन सागर बेसिन में होने वाला बर्फ-नुकसान अकेले पृथ्वी के भविष्य का समुद्र-स्तर तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। रोबोट ने 5-10 सेंटीमीटर प्रति सेकंड की समुद्री धारा दर्ज की। वैज्ञानिकों का अनुमान था कि तेज धारा ही पानी के मिश्रण को नियंत्रित करती है, लेकिन निष्कर्ष इसके बिल्कुल विपरीत निकले। समुद्र तल की ढलान कभी-कभी 45 डिग्री तक ही गर्म पानी को ऊपर धकेलने या नीचे रोके रहने का वास्तविक कारक है। जहां ढलान तीव्र है, वहां गर्म पानी कुछ ऊंचाई तक मिश्रित होता है।

चुनाव को लेकर ट्रंप ने फिर से जेलेंस्की को लताड़ा, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भी दिया जवाब

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति समझौते पर जेलेंस्की की असहमति के बाद ट्रंप ने एक बार फिर से कीव में चुनाव का मुद्दा उठाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि जेलेंस्की पद पर बने रहने के लिए युद्ध का बहाना बना रहे हैं... जेलेंस्की को युद्ध को लेकर यथार्थवादी होना होगा और सोचना होगा कि वह अगला चुनाव कब करवा रहे हैं। इससे पहले ट्रंप के इसी तरह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जेलेंस्की ने कहा था कि यदि सहयोगी देश युद्धकाल में सुरक्षित मतदान की गारंटी दें और यदि यूक्रेन के चुनावी कानून में संशोधन किया जा सके तो यूक्रेन तीन महीने के भीतर चुनाव करा सकता है। ट्रंप ने मीडिया से बात करते जेलेंस्की के ऊपर सत्ता से चिपके रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वहाँ लंबे समय से चुनाव नहीं हुए हैं। आप जानते हैं, वे लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब यह लोकतंत्र नहीं रह जाता।' इस पर जेलेंस्की ने कहा ने कहा कि वह चुनाव के लिए तैयार हैं। लेकिन मतदान के लिए उन्हें यूरोप और अमेरिका की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन सुरक्षित होता है तो वह 60 से 90 दिनों के भीतर मतदान कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'चुनाव कराने के लिए दो मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है जिनमें पहला है सुरक्षा- चुनाव कैसे कराए जाएं, हमलों और मिसाइल हमलों के बीच चुनाव कैसे कराए जाएं और दूसरा, हमारी सेना से संबंधित प्रश्न- वे कैसे मतदान करेंगे। और दूसरा मुद्दा चुनावों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विधायी ढांचा है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों से ऐसे विधायी प्रस्ताव तैयार करने को कहा है जो यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के दौरान चुनाव कराने की अनुमति देने वाला हो। आपको बता दें, जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 से शुरू हुआ था, जो कि अब समाप्त हो चुका है। हालांकि, युद्ध के चलते उनके कार्यकाल को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी जेलेंस्की के कार्यकाल संबंधी इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं।

11 माह बाद सामने आई मारिया मचाडो, क्यों देश छोड़ने पर हुई मजबूर

ओस्लो, एजेंसी। वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो करीब 11 महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक होटल की बालकनी पर नजर आईं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। मचाडो होटल की बालकनी पर समर्थकों को हाथ हिलाकर अभिवादन करती दिखीं। इस दौरान बाहर लोग 'फ्रीडम, फ्रीडम' और 'धन्यवाद' के नारे लगा रहे थे। बाद में वह होटल से बाहर आकर समर्थकों से मिलीं, जहां उनके साथ परिवार और उनके करीबी सहयोगी भी थे।

क्यों छिपी हुई थी मचाडो : बता दें कि जनवरी 2024 में कराकास में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उनकी सुरक्षा को खतरा होने के कारण वे छिपकर रह रही थीं। उनकी उम्मीद थी कि वे खुद पुरस्कार लेने पहुंच पाएंगी, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने एक फोन कॉल में कहा कि कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी यात्रा को संभव बनाने की कोशिश की। उनकी बेटी एना कोरीना सोसा ने पुरस्कार लेते हुए कहा कि मेरी मां एक आजाद वेनेजुएला में जीना चाहती हैं और कभी हार नहीं मानेंगी।

माचाडो ने बनाई थी ये योजना : माचाडो ने पिछले साल मादुरो को चुनौती देने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से रोका गया। इसके कारण उन्होंने सेवानिवृत्त कूटनीतिज्ञ एडमंडो गोंजालेज का समर्थन किया। चुनाव से पहले और बाद में कई लोगों ने माचाडो का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देश छोड़कर निर्वासन नहीं लिया।

वेनेजुएला के लोगों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं : वहीं माचाडो के विदेश जाने को लेकर वेनेजुएला में लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कैराकस की एक

कर्मचारी जोसफिना पाज ने कहा कि अगर उन्होंने देश छोड़ा है, तो ठीक है। इस महिला ने लोकतंत्र के लिए कई बलिदान दिए हैं। अब उन्हें अपने परिवार और बच्चों के पास जाना चाहिए और विदेश से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं, दुकानदार जोसे हर्टाडो ने उन्हें देशद्रोही कहा, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेनेजुएला नीति का समर्थन करती हैं।

नोबेल समिति ने क्या कहा : वहीं नोबेल समिति के प्रमुख ने कहा कि मचाडो ने बहुत खतरनाक हालात के बावजूद ओस्लो आने की पूरी कोशिश की और वे सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट और दमन का सामना कर रहा है। मचाडो ने पिछले साल विपक्षी प्राइमरी जीती थी और राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन मादुरो सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह विपक्ष ने एडमुडो गोंजालेज को उतारा, जिन्हें बाद में गिरफ्तारी वारंट के कारण स्पेन में शरण लेनी पड़ी। चुनाव से पहले और बाद में दमन, गिरफ्तारियों और मानवाधिकार उल्लंघनों की कई शिकायतें हुईं।

पुरस्कार समारोह में लैटिन अमेरिकी नेताओं की मौजूदगी : कार्यक्रम में अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पनामा और पराग्वे के राष्ट्रपति भी मचाडो के समर्थन में पहुंचे। नोबेल समिति ने मचाडो को 'असाधारण साहस की मिसाल' बताया और कहा कि वेनेजुएला 'क्रूर निरंकुश शासन' में बदल चुका है।

मचाडो की बेटी ने बढ़कर सुनाया उनका संदेश : उनके भाषण को उनकी बेटी ने पढ़कर सुनाया। इसमें कहा गया कि यह सम्मान पूरे वेनेजुएला के लोगों का है, और वे जल्द ही अपने परिवार और देशवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हैं। संदेश में यह कहा कि लोकतंत्र पाने के लिए हमें स्वतंत्रता के लिए लड़ने की हिम्मत रखनी होगी।

अंडर 19 एशिया कप में रविवार को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

वैभव पर रहेंगी नजरें, हाथ नहीं मिलने को लेकर जारी गतिरोध टूटेगा !

दुबई (एजेंसी)। अंडर 19 एशिया कप क्रिकेट में रविवार को होने वाली भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने जिस प्रकार यूएई के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह पाक के खिलाफ भी उसी अंदाज में उतरेंगे। विश्वकप में ये देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम का इस मैच में हाथ मिलाने से नहीं रोकेगी। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अंडर-19 स्तर पर खेलभावना को मजबूत करने पर उसका ध्यान रहेगा।

वहीं आईसीसी ने कहा है कि अगर भारतीय खिलाड़ी हाथ नहीं मिलाते, तो इसकी जानकारी पहले से मैच रेफरी को देनी होगी।

आईसीसी का प्रयास है कि जूनियर क्रिकेट में सही संदेश जाए और किसी प्रकार का विवाद खड़ा ना हो। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें, ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि अन्य टीमें मलेशिया और काफी कमजोर हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अच्छी फॉर्म में हैं। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। म्हात्रे ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वहीं वैभव ने सबसे कम उम्र में शतक लगाया था। इस प्रकार के इनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

अंडर-19 एशिया कप की टीमें

ग्रुप एः भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, यूएई

ग्रुप बीः बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, नेपाल

भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप-कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह (फिटनेस के अधीन), उधव मोहन और एरॉन जॉज.

स्टैंडबाय खिलाड़ीः राहुल कुमार, जे हेमचूडेशन, बीके किशोर और आदित्य रावत।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : नीतीश की हैट्रिक बेकार गयी, मध्य प्रदेश ने आंध्र को हराया

पुणे (एजेंसी)। मध्य प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग स्टेज के अपने पहले मैच में आंध्र प्रदेश को चार विकेट से हरा दिया। इस मैच में आंध्र के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने हैट्रिक लगायी पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। मध्य प्रदेश ने इस मैच में खराब शुरुआत से उबरकर 113 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। रेड्डी ने तीसरे ओवर में हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट लिए।

वेंकटेश अय्यर के आउट होने के तुरंत बाद मध्य प्रदेश का स्कोर चार विकेट पर 37 रन हो गया। ऐसे में आंध्र की जीत की उम्मीदें बनीं पर ऋषभ चौहान और राहुल बाथम ने पांचवें विकेट के लिए 73 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। चौहान ने 43 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 47 रन बनाए जबकि बाथम 32 गेंदों पर 35 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मध्य प्रदेश ने 15 गेंद बाकी रहते जीत हासिल करने के साथ ही चार जरूरी अंक प्राप्त किये।

वहीं इससे पहले रेड्डी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन बनाये। भरत ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए जिससे आंध्र की टीम 19.1 ओवर में 112 रन तक पहुंची। मध्य प्रदेश की ओर से शिवम शुक्ला ने 4 जबकि त्रिपुरेश सिंह ने 3 विकेट लिए। वहीं बाथम ने 2 खिलाड़ियों को आउट किया।

सूर्यकुमार ने हार की जिम्मेदारी ली, अक्षर को पहले भेजे जाने के फैसला का भी बचाव किया

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें इस मैच में जिम्मेदारी लेनी थी पर वह उसमें सफल नहीं हो पाये। इस मैच में भारतीय टीम 214 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी थी। इस मैच में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले का भी सूर्या ने बचाव करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में उसने शुरआत में उतारने पर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसको देखते हुए उसे इस बार अवसर दिया गया। अक्षर को पहले भेजने के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर भी सवाल उठे थे। सूर्यकुमार ने कहा कि अक्षर ने एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में अच्छी बल्लेबाजी की है हालांकि वह इस मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। कप्तान ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए आगामी मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की बात कही।

सूर्यकुमार ने कहा, हमने पहले गेंदबाजी करके भी गलती की जबकि हमें बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर कहा कि टीम को इससे सीखने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि हमें दूसरी योजना भी लेकर चलनी चाहिये थी पर हमने ऐसा नहीं किया। हमने दूसरी पारी में विरोधी टीम की गेंदबाजी देखकर सबक लिया है। अब हम अगले मैच में उसी के अनुसार गेंदबाजी करना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने कहा, हम हर मैच में अभिषेक शर्मा पर आधारित नहीं रह सकते। मुझे और शुभमन गिल को अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर हम ऐसा नहीं कर पाये। शुभमन पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद मुझे लंबी पारी खेलते हुए मैच आगे ले जाना चाहिये था पर मैं ऐसा नहीं कर पाया।

डिकॉक का अर्धशतक, भारत को 51 रन से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

मुल्लांपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बृहस्पतिवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। अब तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा।

पहले मैच में महज 74 रन पर आउट होने वाली दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 213 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया जिसमें डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे। डिकॉक ने कप्तान एडन मारक्रम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई।

डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। भारत ने पारी में 16 वाइड गेंद डाली और 22 अंतिरिक्त रन दिए जबकि दक्षिण अफ्रीका ने केवल

पांच अतिरिक्त रन दिए। इस तरह भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरूआत काफी खराब रही जिससे टीम उबर नहीं सकी और तिलक वर्मा (62 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई।

विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 27 रन, अक्षर पटेल ने 21 रन और हार्दिक पंड्या ने 20 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए आटेनील बार्टमैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट झटके जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और लुथे सिपमाला को दो दो विकेट मिले।

भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। इस तरह खेल के इस प्रारूप में उनकी फॉर्म पर चिंता बरकरार है। एनगिडी की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश में वह पहली स्लिप में खड़े हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दो छक्के से आठ गेंद में 17 रन बनाकर तेज शुरूआत की लेकिन यानसन की गेंद पर आउट हो गए। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर डिकॉक के हाथों में समां गई।

चौथे ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के आउट होने से स्कोर तीन विकेट पर 32 रन हो गया। दिलचस्प है कि यानसन की गेंद सूर्यकुमार के बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। मारक्रम ने क्षेत्ररक्षकों से पूछने के बाद रिव्यू लेने का फैसला जबकि दो सेकेंड ही बचे थे। और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निराश सूर्यकुमार के पवेलियन लौटते हुए मैदान पर खामोशी छा गई। तिलक वर्मा ने पांचवें ओवर में सिपमाला पर एक चौका और एक छक्का जमाया। इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारे गए अक्षर पटेल (21 गेंद में 21 रन) ने जैसे ही तेज खेलना शुरू किया, वह बार्टमैन की गेंद पर हेंड्रिक्स के हाथों कैच आउट हो गए। तिलक और पंड्या ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 51 रन जोड़े लेकिन तब तक जरूरी रन रेट काफी बढ़ चुका था।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कायक्रम में हुआ बदलाव, 31 दिसंबर की जगह 4 जनवरी से शुरु होंगे मुकाबले

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा इस माह के अंत में शुरु होने वाले एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए अब ये चैम्पियनशिप 31 दिसंबर की जगह पर 4 जनवरी से शुरु होगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, ''सरकार द्वारा अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी होने के कारण अब ये चैंपियनशिप पर चार से 10 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी।'' इससे पहले दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए कि एनसीआर राज्य सरकारें और दिल्ली प्रशासन क्षेत्र में उच्च स्तर के वायु प्रदूषण को देखते हुए ऐसे आयोजनों को टालने के लिए तत्काल कदम उठाएं। राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और खेल संघों से भी इस आदेश का पालन करने को कहा गया था। माना जा रहा है कि उसी को देखते हुए मुक्केबाजी चैम्पियनशिप आगे बढ़ायी गयी है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है पहलवान रवि दहिया का लक्ष्य

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे। टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था। उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

विनेश ने संन्यास का फैसला वापस लिया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलना है लक्ष्य

चंडीगढ़ (एजेंसी)। ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अचानक ही संन्यास से वापसी की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक फाइनल के ठीक पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किये जाने के बाद हताशा में खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब विनेश ने अपने संन्यास के फैसले को वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि वह 2028 लॉस एंजिस ओलंपिक में उतरना चाहती है। इसी साल अगस्त में विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेकर राजनीति में प्रवेश किया था। वहीं अब वह एक बार फिर से मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। संन्यास से वापसी की जानकारी विनेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये दी है।

विनेश ने अपनी एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'लोग आम तौर पर मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या पेरिस मेरा आखिरी सफर था? मेरे पास लंबे समय से इस सवाल का जवाब नहीं था। इस दौरान कई साल के बाद मैंने चैन की सांस ली। अपने कार्यभार को समझने के लिए मैंने थोड़ा समय लिया। जीवन का उतार-चढ़ाव, देखा। मुझे अब भी खेल पसंद है। अब भी मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।' विनेश ने पोस्ट में आगे लिखा, 'शांत माहौल में मुझे कुछ ऐसा मिला जिसे मैं भूल गई थी 'आग कभी नहीं बुझती है।' ये केवल थकावट और शोर के नीचे दबी हुई थी। अनुशासन, दिनचर्या, लड़ाई ये मेरे सिस्टम में है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी दूर चली गई, मेरा एक हिस्सा मैट पर ही रहा है। तो मैं यहां हूं, एक ऐसे दिल के साथ जो निडर है और एक ऐसी भावना के साथ जो झुकने से इंकार करता है, अब ओलंपिक की ओर वापस कदम रख रही हूं। और इस बार, मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा मेरी टीम में शामिल हो रहा है, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, 2028 ओलंपिक की इस राह पर मेरा छोटा चीयरलीडर होगा।'

तीन बार की ओलंपियन रही विनेश ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल से ठीक एक रात पहले विनेश को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। तब विनेश ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया था। इसके बाद प्रशंसकों और करीब लोगों के समझाने के बाद भी विनेश नहीं मानी और संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद विनेश ने हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ा था और जुलाना सीट से 6,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव ने यूएई के खिलाफ लगाया तूफानी शतक

दुबई। यहां यूएई के खिलाफ हुए अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने इस मैच में शतकीय पारी खेलते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान आयुश महात्रे शुरुआत में ही आउट हो गये। आयुश तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर ही केवल 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद वैभव ने पारी संभाली और जमकर चौके, छक्के लगाये। वैभव ने अपने पचास रन छक्के के साथ बनाये। इसके बाद पारी के 16वें ओवर में वैभव ने लगातार तीन छक्के लगा दिए। इस ओवर ने मैच का पूरा रुख ही बदल दिया। इसके बाद। 21वें ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव ने एक रन लेकर अपना शानदार शतक पूरा किया। वैभव ने 56 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, जिसमें 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। वैभव ने 84 गेंदों पर 150 रन पूरे किए। आखिरकार वह 95 गेंदों में 171 रन बनाकर लौटे वैभव की पारी में 14 छक्के और 9 चौके शामिल रहे। वैभव का ये 10 दिनों के अंदर दूसरा शतकहै। वैभव ने 2 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार की ओर से 108 रन बनाए थे।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टी20 में बुमराह और तिलक ने बनाये रिकार्ड

मुल्लांपुर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर गयी। इस मैदान में ये पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। जिसमें भारतीय टीम को 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं टी20 में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में पहली बार 4 छक्के लगे। वहीं अर्शदीप ने के एक ओवर में 7 वाइड गेंदें फेंकीं। सकारात्मक बात ये रही कि बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस मैच में पांच छक्के लगाये। अब वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में कुल मिलाकर सबसे अधिक 27 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रनों से हरा दिया। भारत की पूरी टीम 162 रनों पर सिमट गई। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंद में सर्वाधिक 62 रन बनाए। इसमें 2 चौके और 5 छक्के शामिल हैं। इसके अलावा जितेश शर्मा ने 27, हार्दिक पांड्या ने 20, अक्षर पटेल ने 21 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। पारी में शुभमन गिल समेत 3 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए। अभिषे और शुभमन के घरेलू मैदान पर असफल होने से उनके प्रशंसक निराश हुए। मैच शुरू होने से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने युवराज और विश्वकप विजेता महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के नाम पर स्टेडियम में दो स्टैंड्स का उद्घाटन किया।

मेस्सी भारत दौरे में धूम मचाने के लिए तैयार, लेकिन 2011 की तरह नहीं दिखेगा फुटबॉल जादू

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी की 2011 के बाद शनिवार से शुरू होने वाली पहली भारतीय यात्रा चकाचौंध से भरपूर होगी लेकिन इसमें फुटबॉल का खास जादू देखने को नहीं मिलेगा। मेस्सी का यह दौरा यह 2011 की तुलना में पूरी तरह से अलग होगा जब यहां साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों ने सुपरस्टार के पांवों का जादू देखा था। तब फीफा मैत्री मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 1-0 से हराया था और 85,000 से अधिक प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। कुछ दर्शक तो स्टैंड के किनारों पर भी बैठे थे।

आठ बार बैलोन डीओर जीतने वाले मेस्सी इस बार 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' में फुटबॉल खेलने वाले नहीं हैं। यह पूरी तरह से प्रचार और व्यावसायिक रूप से आयोजित कार्यक्रम है, जो शनिवार को यहां शुरू होगा और सोमवार को नई दिल्ली में समाप्त होगा। फिर भी एक ऐसे शहर के लिए यह बेहद खास है, जिसने कभी माराडोना तो कभी पेले को सिर आंखों पर बिठाया तो कभी अपने फुटबॉल प्रेम से डुंगा को चकाचौंध किया और रोनाल्डिन्हो को गले लगाया। इसे देखते हुए फुटबॉल नहीं खेलने के बावजूद यह शहर मेस्सी को अपने सिर आंखों पर बिठाने के लिए तैयार है।

सॉल्ट लेक स्टेडियम में कार्यक्रम, 7,000 की टिकट

आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। यहां मेस्सी शनिवार को 45 मिनट तक चलने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपए तक है। यह देखना हालांकि बाकी है कि फुटबॉल प्रेमी इस कार्यक्रम के प्रति कितना उत्साह दिखाते हैं। मेस्सी भारत में 72 घंटे से भी कम समय बिताएंगे, लेकिन इस दौरान वह चार महानगरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे।

कई दिग्गजों से मिलेंगे मेस्सी

अपनी इस संक्षिप्त दौरे के दौरान उनके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज, बॉलीवुड हस्तियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ निर्धारित बैठक भी शामिल है। मेस्सी के प्रशंसकों में से एक भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का भी 14 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले टी20 मैच के बाद उनसे मिलने की उम्मीद है। मेस्सी का पिछला भारत दौरा फुटबॉल प्रेमियों की स्मृतियों में आज भी जीवंत बना हुआ है, जब उन्होंने तीन सितंबर, 2011 को अपने पांवों का जादू दिखाकर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया था। भले ही वह उस मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन उन्हें अपने सामने खेलते हुए देखना भी बहुत बड़ा रोमांच था।

मेस्सी के दौरे का मुख्य आकर्षण

मेस्सी के वर्तमान दौरे का मुख्य आकर्षण रविवार को मुंबई में होने वाला 45 मिनट का फैशन शो होगा जिसमें यह दिग्गज फुटबॉलर लंबे समय तक अपने साथी रहे लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के साथ भाग लेगा। मेस्सी के इस दौरे के प्रमोटर सताद्रु दत्ता ने कहा, 'इसमें मशहूर मॉडल, क्रिकेटर, बॉलीवुड हस्तियां, बिजनेसमैन शामिल होंगे। टाइगर और जैकी श्रॉफ, जॉन अब्राहम और अन्य लोग भी इसमें शिरकत करेंगे।% सुआरेज एक स्पेनिश संगीत कार्यक्रम में भी प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने मेस्सी से 2022 के विश्व कप विजेता अभियान से जुड़ी कुछ यादगार वस्तुएं लाने का अनुरोध किया है, जिनकी मुंबई में नीलामी की जाएगी।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम से पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में पैडल कप का आयोजन किया जाएगा। मेस्सी कोलकाता में ईएम बाईपास पर स्थित एक पांच सितारा होटल में ठहरेंगे और सुबह प्रायोजकों के साथ विशेष मुलाकात और अभिवादन कार्यक्रम में भाग लेंगे। कोलकाता में अब VIP रोड पर श्रीभूमि क्लॉक टॉवर (बिग बेन की प्रतिकृति) के पास एक नया 'मेस्सी लैंडमार्क' भी होगा, जिसमें अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान की ट्रॉफी को ऊपर उठाए हुए 70 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा लगाई गई है।

सुरक्षा कारणों से इसका अनावरण मेस्सी के होटल स्थित कमरे से ही वर्चुअल तरीके से किया जाएगा। मेस्सी के 25 गुणा 20 फीट के एक भित्ति चित्र का भी अनावरण किया जाएगा। बाद में इसे साल्ट लेक स्टेडियम में मेस्सी को भेंट किया जाएगा। इस कार्यक्रम के बाद मेस्सी दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में होने वाला मेस्सी का प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद हैदराबाद को उनके कार्यक्रम में जोड़ा गया था। हैदराबाद पहुंचने के बाद मेस्सी जीओएटी कप में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे जिसमें सात सात खिलाड़ियों के बीच प्रदर्शनी मैच, पेनल्टी शूटआउट, युवा प्रतिभाओं के लिए एक मास्टरक्लास और संगीतमय प्रस्तुति भी शामिल है।

पीएम मोदी से मुलाकात और दौरे का समापन

मेस्सी अपने दौरे का समापन दिल्ली में करेंगे, जहां वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इस साल की शुरुआत में गोथिया कप, डाना कप और नॉर्वे कप में शानदार जीत हासिल करने वाले मिनर्वा अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मेस्सी की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एक प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा जिसमें 9-9 खिलाड़ी भाग लेंगे। मेस्सी के इस दौरे को लेकर हर कोई उत्साहित है और यही वजह है कि कुछ पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी आमंत्रित न किए जाने पर 'दुखी और अपमानित' महसूस कर रहे हैं।

पेले के खिलाफ 1977 में प्रदर्शनी मैच खेलने वाले भारत और मोहन बागान के पूर्व मिडफील्डर गौतम सरकार ने अपनी बात कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'यह सब केवल दिखावा है। मेस्सी तो सिर्फ हाथ मिलाने आ रहे हैं। जब पेले यहां आए थे तो हमारे साथ खेले भी थे।' सरकार ने कहा, 'मेस्सी को बुलाने के बजाय हमारा ध्यान देश में फुटबॉल को बेहतर बनाने पर होना चाहिए। हमें भारतीय फुटबॉल को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और अतीत के गौरव को वापस लाना चाहिए।% भारत के पूर्व डिफेंडर सुब्रत भट्टाचार्य ने भी कहा कि वह अपमानित महसूस कर रहे हैं।

सेबी ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे का तीसरा चरण स्थगित किया

- यह चरण 15 दिसंबर से लागू होने वाला था, नई लागू तिथि बाद में घोषित की जाएगी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रतिभूति बाजार के लिए नामांकन ढांचे के तीसरे चरण के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया है। यह चरण पहले 15 दिसंबर से प्रभावी होने वाला था। सेबी ने कहा कि नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। स्थगन का कारण डिपॉजिटरी और अन्य हितधारकों को परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करना बताया गया है। सेबी ने रीट और इनविट की परिभाषा में संशोधन करते हुए यह स्पष्ट किया कि योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) अब रणनीतिक निवेशक के रूप में आवेदन कर सकते हैं। इस श्रेणी में सरकारी वित्तीय संस्थान, पेंशन एवं भविष्य निधि, वैकल्पिक निवेश निधि, राज्य औद्योगिक विकास निगम, पारिवारिक ट्रस्ट और 500 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले पंजीकृत मध्यस्थ शामिल हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का 10,000 करोड़ रुपये का आईपीओ शुक्रवार से खुलने वाला है। इससे पहले ही 4,815 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

इसमें प्रमुख निवेशक झुनझुनवाला परिवार, मधुसूदन केला सहित कुल 26 निवेशक शामिल हैं। कंपनी ने 22,240,841 इक्विटी शेयरों का निजी प्लेसमेंट 2,165 रुपये प्रति शेयर की दर से किया। इसमें अबुधाबी की लुनेट कैपिटल, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के रीजेंट्स, आईआईएफएल एसेट मैनेजमेंट, 3पी इंडिया इक्विटी फंड (प्रशांत जैन प्रबंधित), डीएसपी इंडिया फंड, व्हाइटओक कैपिटल इंडिया अपॉर्चुनिटीज फंड, एचसीएल कैपिटल और प्रमुख बीमा कंपनियां जैसे एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, कोटक लाइफ, आदित्य बिरला सन लाइफ और गो डिजिट शामिल हैं।

आईडीबीआई बैंक की खरीद में फेयरफैक्स आगे, कोटक महिंद्रा भी दौड़ में

नई दिल्ली ।

टोरंटो स्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल आईडीबीआई बैंक के अधिग्रहण की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)से बैंक की 60.72 फीसदी नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ऑल-कैश ऑफर देने पर विचार कर रही है। मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर इस हिस्सेदारी की कीमत करीब 7 अरब डॉलर, यानी लगभग 63 हजार करोड़ रुपये आंकी गई है। आईडीबीआई बैंक का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 1.02 लाख करोड़ रुपए है और वर्ष 2025 में इसके शेयर अब तक 25 फीसदी चढ़ चुके हैं। बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में कोटक महिंद्रा बैंक भी शामिल है, जो नकद और शेयरों के मिश्रित ऑफर की तैयारी कर रहा है। बोली आवेदन इस महीने के अंत तक जमा किए जा सकते हैं, हालांकि डेडलाइन बढ़ने की संभावना भी है। पहले एमिरेट्स एनबीडी ने भी रुचि दिखाई थी,

लेकिन हाल ही में आरबीएल बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने के समझौते के बाद उसके दौड़ से हटने की अटकलें हैं। फेयरफैक्स, कोटक और एमिरेट्स एनबीडी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर पहुंची , सोना भी उछला

नई दिल्ली ।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गई है। फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा के याज दरों में कटौती और मांग बढ़ने के बाद मल्टी कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्सा) पर चांदी में ये उछाल आया है। चांदी 1600 रुपये उछलकर 2,00,510 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। वहीं सोने में भी रिकॉर्ड तेजी रही।

एमसीएक्स पर सोना आज करीब 2500 रुपये चढ़कर 1,34,966 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, ये इसका रिकॉर्ड ऊंचा स्तर है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव लगभग 1,32,700 रुपए और चांदी के भाव 1,97,850 रुपए के आसपास कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ 1,32,442 रुपए पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,32,469 रुपए था। शुरुआती कमजोरी के बाद सोने में खरीदारी बढ़ी और यह कॉन्ट्रेक्ट 1,32,673 रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग 204 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के दौरान सोना 1,32,764 रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा, जबकि 1,32,400 रुपए इसका दिन का निचला स्तर रहा। इसके विपरीत, चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत

सुस्त रही और पिछले बंद 1,98,942 रुपए से करीब 1,984 रुपए की गिरावट के साथ 1,96,958 रुपए पर खुला, यानी कारोबार के दौरान चांदी में दबाव बना रहा और यह 1,97,878 रुपए तक फिसल गई।

इंडिगो की उड़ानें निरस्त होने से 1,800 करोड़ का नुकसान

– कुल 2,686 करोड़ रुपए तक बढ़ सकता है वित्तीय दबाव

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो को वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में भारी वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। लगातार फ्लाइट कैंसिलेशन के कारण अब तक कंपनी को लगभग 1,800 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

शुरुआती चरण में ही 9 दिसंबर तक रिफंड के रूप में 900 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ। यदि नियामक एजेंसियां मुआवजे का आदेश देती हैं, तो यह वित्तीय बोझ और बढ़ सकता है। एविएशन मिनिस्ट्री के पैसेंजर चार्टर के अनुसार, अगर उड़ान 2 घंटे से अधिक देरी या कैंसिल होती है और यात्रियों को 24 घंटे पहले सूचित नहीं किया जाता, तो एयरलाइन को 10,000 या बेसिक किराया प्लस फ्यूल चार्ज (जो कम हो) के बराबर मुआवजा देना होगा। 1 से 9 दिसंबर के बीच 8.86 लाख पीएनआर कैंसिल होने के कारण इंडिगो पर लगभग 886 करोड़ रुपए का मुआवजा भुगतान बन सकता है।

अगर यह रिफंड के साथ दिया गया, तो कंपनी का कुल वित्तीय दबाव 2,686 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इंडिगो ने ऑपरेशनल स्थिति में सुधार की दिशा में कदम उठाए हैं। 3 से 5 दिसंबर के बीच कैंसिल या लंबी देरी से प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए का ट्रैवल वाउचर दिया गया है। यह वाउचर अगले 12 महीनों में किसी भी उड़ान की बुकिंग में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.52 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार में रुपया 24 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.56 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता एवं विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी निवेशकों की भावना प्रभावित होने से रुपया दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल के बीच आयातकों द्वारा डॉलर की आक्रामक खरीद से भी रुपया पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.43 पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.56 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 38 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 98.37 पर रहा।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 50,000 करोड़ एयूएम क्लब में किया प्रवेश

- 3 साल में 18 और 5 साल में 22 फीसदी से ज्यादा दिया रिटर्न

नई दिल्ली ।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने पिछले पांच वर्षों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। तीन साल में इसने 18.46 फीसदी और पांच साल में 22.43 फीसदी का रिटर्न दिया, जिससे यह अन्य प्रमुख लार्ज कैप फंड्स जैसे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और इन्वेस्को इंडिया के मुकाबले आगे निकल गया।

लार्ज कैप फंड नए और जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प माने जाते हैं। इन फंड्स का पोर्टफोलियो ब्लू-चिप कंपनियों में निवेश करता है, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिरता बनी रहती है। निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड ने 50,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) क्लब में प्रवेश कर लिया है। यह उपलब्धि कम निवेश के बावजूद हासिल हुई है, क्योंकि हालिया बाजार तेजी, मुनाफावसूली और त्योहारी सीजन के दौरान तरलता की जरूरतें बढ़ी हैं। फंड का प्रदर्शन इंडेक्सिंग पर नहीं, बल्कि सक्रिय निवेश और गहन शोध पर आधारित है। फंड मैनेजर बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं, जिससे उचित मूल्य पर वृद्धि होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप म्यूचुअल फंड म्यूचुअल फंड निवेश की रीढ़ हैं।

लंबी अवधि में ये स्थिर और निरंतर रिटर्न देने के साथ संभावित लाभांश भी प्रदान करते हैं, जो निवेशकों को आकर्षित करता है।

इंडिगो सीसीआई की जांच के घेरे में

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) आंतरिक रूप से यह देख रहा है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है या नहीं। अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है और जांच स्वतः संज्ञान के आधार पर की जा रही है। इंडिगो घरेलू बाजार में 65 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखती है। जांच में कंपनी के प्रभुत्व, विशेष मार्गों पर नियंत्रण और इसका दुरुपयोग-शोषणकारी या बहिष्करणकारी- जांचने पर ध्यान दिया जाएगा। प्रभुत्व में होना अपने आप में अपराध नहीं है, केवल इसका दुरुपयोग ही नियमों का उल्लंघन माना जाता है। 2 दिसंबर से इंडिगो ने सैकड़ों उड़ानें रद्द कीं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। नए उड़ान 'ड्यूटी' नियमों को लागू करने में योजना की कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। डीजीसीए भी एयरलाइन के संचालन की निगरानी बढ़ा रहा है। सीसीआई का उद्देश्य बाजार में प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं को रोकना और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है। इसके अधिकारों में जांच, जुर्माना और निषेधाज्ञा जारी करना शामिल है।

मेटा इंडिया में अमन जैन बने सार्वजनिक नीति प्रमुख

नई दिल्ली । मेटा इंडिया ने अमन जैन को सार्वजनिक नीति का नया प्रमुख नियुक्त किया है। जैन अगले साल की शुरुआत में कंपनी में शामिल होंगे और एपीएसी के नीति उपाध्यक्ष साइमन मिलनर के अधीन काम करेंगे। उनके पास अमेज़न, गूगल, भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में 20 वर्षों का अनुभव है। मेटा का उद्देश्य भारत में समावेशी, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार इंटरनेट बनाना है। जैन की नियुक्ति से कंपनी को नीति निर्माण और उद्योग हितधारकों के साथ बेहतर साझेदारी में मदद मिलेगी।

एनपीएस को सोने-चांदी ईटीएफ में निवेश की अनुमति

- लगभग 1.7 बिलियन डॉलर निवेश के अवसर मिलेंगे

नई दिल्ली । नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) अब अपने फंड का एक फीसदी सोने और चांदी के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश कर सकता है। यह पहली बार है जब भारतीय नियामक ने पेंशन फंडों को कीमती धातुओं में निवेश की अनुमति दी। इस पहल से लगभग 1.7 बिलियन डॉलर के निवेश के अवसर खुलते हैं। सोने और चांदी ने इस साल क्रमशः 61 फीसदी और 114 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। ईटीएफ के जरिए निवेशकों को धातुओं में सीधी हिस्सेदारी लेने का आधुनिक तरीका मिल गया है। एक शोध` विशेषज्ञ के मुतो बिक यह कदम सोने को एक प्रभावी पोर्टफोलियो डाइवर्सिफ़ायर के रूप में स्थापित करता है। एनपीएस पिछले दो दशकों से संचालित है और 177 बिलियन डॉन्लर के टैक्स-इफिशिएंट रिटायरमेंट फंड्स का प्रबंधन करता है। भारत दुनिया के शीर्ष सोने उपभोक्ताओं में है। ईटीएफ ने सोने और चांदी में निवेश को आधुनिक और सुरक्षित विकल्प बना दिया है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । सोसायटी ऑफ़ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बताया कि नवंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 18.7 फीसदी बढ़कर 4,12,405 इकाइयों तक पहुंच गई। इसी तरह, दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 21 फीसदी की वृद्धि के साथ 19,44,475 इकाइयों तक पहुंची। सियाम ने कहा कि त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग ने इस वृद्धि में योगदान दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपभोक्ता विश्वास और वाहन बाजार की स्थिर रिकवरी का संकेत है।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

- मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रति दिन होगी। 2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 449, निफ्टी 148 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार उछाल के साथ बंद हुंआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिना बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 449.53 अंक बढ़कर 85,267.66 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक उछलकर 26,046.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान धातु और संपत्ति शेयरों में तेजी से बाजार उछला।

निफ्टी मेटल 2.63 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 1.53 फीसदी ऊपर आये। निफ्टी ऑटो 0.58 फीसदी , निफ्टी आईटी 0.47 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.83 फीसदी , निफ्टी इन्फ्रा 1.18 फीसदी उछले। वहीं निफ्टी एफएमसीजी 0.24 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.05 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के कारण तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 705.25 अंक बढ़कर 60,283.30 और

निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.90 अंक उडलकर 17,389.15 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, टाइटन और टीसीएस के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचयूएल, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा, इन्फोसिस और एसबीई के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की अच्छी शुरुआत रही। सेंसेक्स 85,051 अंकों पर मजबूती के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी जारी रही और 302.71 अंक की बढ़त के साथ 85,120.84 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,971 अंकों पर खुला। कुछ ही समय में यह 26,000 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रति दिन होगी।

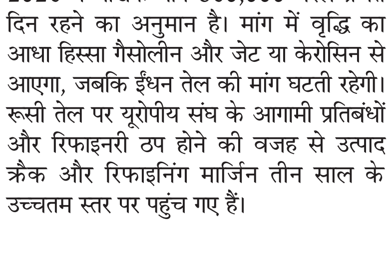

2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

एसआईपी के जरिए छोटी बचत से बड़े सपने पूरे करें

- 5,000 की एसआईपी करके 18 महीनों में बन जाएं लखपति

नई दिल्ली । आज के दौर में म्यूचुअल फंड में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने निवेशकों के लिए रास्ता आसान बना दिया है। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आप केवल 5,000 रुपए जैसी छोटी राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबी अवधि में अच्छा-खासा फंड तैयार कर सकते हैं। जो लोग निवेश की शुरुआत करते हैं, उनका पहला लक्ष्य अक्सर लखपति बनना होता है। पारंपरिक निवेश के तरीकों की तुलना में एसआईपी में रिटर्न ज्यादा होने के कारण यह लक्ष्य जल्दी हासिल किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप हर महीने 5,000 निवेश करते हैं और अनुमानित सालाना रिटर्न 12 फीसदी रहता है, तो 18 महीनों में आपका कुल फंड लगभग 1 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि म्यूचुअल फंड का वास्तविक रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। इक्विटी फंड में रिटर्न अधिक होता है, लेकिन जोखिम भी ज्यादा होता है। कम जोखिम वाले फंड में रिटर्न थोड़ी कम होती है, इसलिए लक्ष्य समय के हिसाब से मासिक निवेश बढ़ाना पड़ सकता है। एसआईपी का असली फायदा तब दिखता है जब निवेशक धैर्य रखते हैं और लंबी अवधि तक निवेश जारी रखते हैं। नियमित मासिक निवेश और सही फंड चयन से छोटी बचत भी बड़ा फंड बना सकती है।

मात्र 10 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था रति अग्निहोत्री ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस रति अग्निहोत्री को एक समय खूबसूरती और संजीदा अभिनय की मिसाल माना जाता था। दर्शक उन्हें 'स्वर्ग से उतरी अप्सरा' तक कहकर पुकारते थे। रति अग्निहोत्री भी बॉलीवुड के कई प्रतिभाशाली कलाकारों में शामिल हैं। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को उत्तर प्रदेश के बरेली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मॉडलिंग का शौक था और मात्र 10 साल की उम्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए, 16 साल की उम्र में उन्हें तमिल फिल्म 'पुदिया वरपुकल' में काम करने का अवसर मिला। यह उनकी पहली तमिल फिल्म थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उन्हें साउथ इंडस्ट्री में पहचान दिला गई। इसके बाद वह कमल हासन, रजनीकांत और चिरंजीवी जैसे सुपरस्टार्स के साथ कई तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में नजर आईं। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'एक दूजे के लिए' से हुई, जिसमें उन्होंने कमल हासन के साथ काम किया। फिल्म बड़ी हिट रही और रति को रातों-रात स्टारडम मिल गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला, जिससे बॉलीवुड में उनकी स्थिति और मजबूत हुई। 1980 के दशक में उन्होंने 'कुली', 'तवायफ', 'अय्याश', 'शौकीन', 'मुझे इंसाफ चाहिए', 'मैं आवारा हूं' और 'फर्ज और कानून' जैसी कई सफल फिल्मों में मजबूत भूमिकाएँ निभाईं। करियर के शिखर पर रहते हुए रति ने 1985 में आर्किटेक्ट अनिल विरवानी से शादी कर ली और फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्हें आगे भी कई बड़े ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने परिवार पर ध्यान देने के लिए केवल चुनिंदा साइड रोल स्वीकार किए। 2001 में उन्होंने 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' के साथ फिल्मों में वापसी की। इसके बाद 'क्यों हो गया नाज', 'हम तुम', 'ये है जलवा', 'देव' और 'पहचान' जैसी फिल्मों में साइड रोल करके भी उन्होंने अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराया।

धर्मेंद्र के जन्मदिन पर सुभाष घई ने लिख दिल छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अभिनेता धर्मेंद्र की 90वीं जन्म जयंती पर उन्हें खास अंदाज में याद किया। सोशल मीडिया पर उनके साथ जुड़ी पुरानी यादों को साझा करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। घई ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की एक स्केच तस्वीर पोस्ट करते हुए एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने अभिनेता की शानदार फिल्मी यात्रा, उनके व्यक्तित्व और बहुमुखी अभिनय क्षमता की जमकर सराहना की। सुभाष घई ने अपने संदेश में लिखा, फ्60 साल से हमारे हीमैन स्क्रीन स्टार धर्मेंद्र को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लगभग हर बड़े निर्देशक के साथ काम किया है। सीधा-साधा नौजवान, एंग्री एक्शन हीरो, संवेदनशील प्रेमी, कवि, कमीडियन, ऐतिहासिक किरदार या फिर अध्यात्म से जुड़ा चरित्र हर रूप में दर्शकों ने उन्हें सराहा। यह सब उनके सादगी भरे साफ दिल और मेहनत की वजह से संभव हो पाया।' घई ने आगे लिखा कि उनकी नजर में धर्मेंद्र एक ऐसे सितारे थे, जिन्होंने अपने अभिनय के जरिए ना सिर्फ शुभचिंतकों का दिल जीता, बल्कि इंसानियत और सरलता की मिसाल भी कायम की। घई ने अपने संदेश में विशेष रूप से वर्ष 1981 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'क्रोधी' का उल्लेख किया। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने मुख्य किरदार निभाया था, जो एक पढ़ा-लिखा माफिया डॉन होता है और बाद में जीवन की घटनाओं से प्रभावित होकर अध्यात्म का मार्ग अपनाता है।

घई ने इसे अपने करियर की भी खास फिल्म बताया और कहा, 'उन्होंने मेरी फिल्म 'क्रोधी' में जो चुनौतीपूर्ण रोल किया, वह आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में शामिल है। इस किरदार में गुस्से, बदले और आध्यात्मिक बदलाव का अनोखा संगम था, जिसे धर्मेंद्र ने बेहद खूबसूरती से निभाया। हैप्पी बर्थडे पाजी, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।' 'क्रोधी' एक दमदार एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें धर्मेंद्र के साथ शशि कपूर, जीनत अमान, प्रेमनाथ, रंजीता, सचिन, प्राण और अमरीश पुरी जैसे कई नामी कलाकार नजर आए। फिल्म में विशेष भूमिकाओं में हेमा मालिनी और मौसमी चटर्जी भी शामिल थीं। दर्शकों ने फिल्म में धर्मेंद्र के द्वारा गुस्से और प्रतिशोध से भरे व्यक्ति से शांत और आध्यात्मिक व्यक्तित्व में हुए परिवर्तन को खूब सराहा था।

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया उर्वशी रौतेला के डांस मूव्स ने

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के दमदार सेल्फ डांस चैलेंज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उनके एनर्जेटिक मूव्स, तकनीकी डांस स्किल्स और बेहतरीन स्टेज प्रेज़ेंस ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ ही घंटों में यह वीडियो कई प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया और फैंस लगातार इसे शेयर और रीक्रिएट कर रहे हैं। वीडियो में उर्वशी का आत्मविश्वास, ग्रेस और कच्चा टैलेंट साफ झलकता है। उनकी हर मूवमेंट में एक अलग ही चमक दिखाई देती है, जिसने लोगों को उनकी तुलना बेयॉंस और जेनिफर लोपेज जैसी ग्लोबल सुपरस्टार्स से करने पर मजबूर कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोग कमेंट्स की बाढ़ ला रहे हैं और उन्हें 'इंडिया की डांस क्वीन' तक कह रहे हैं। कई फैंस ने उनके सिग्नेचर स्टेप्स को कॉपी कर अपने संस्करण भी बनाए हैं, जिससे यह चैलेंज और ज्यादा ट्रेंड में आ गया है। इस चैलेंज की खासियत यह है कि यह उर्वशी की एक अलग ही झलक पेश करता है—फिल्मों और स्टेज शो से अलग, ज्यादा व्यक्तिगत और जुड़ाव भरा अंदाज। उनका यह सेल्फ-डांस चैलेंज दर्शाता है कि वह सिर्फ कैमरे पर ही नहीं, बल्कि अपने वास्तविक अंदाज में भी कितनी सहज और प्रतिभाशाली हैं। यह सिर्फ एक वीडियो नहीं बल्कि उनके टैलेंट, कॉन्फिडेंस और स्टारडम का उत्सव है। फैंस की प्रतिक्रियाएं भी बेहद उत्साहजनक रही हैं। किसी ने लिखा, 'उर्वशी इज़ गोल्स! उनकी एनर्जी का कोई जवाब नहीं', तो वहीं एक अन्य ने कहा, 'इसीलिए वो इंडिया की बेयॉंस हैं।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि उर्वशी ने अपनी कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। इस वायरल चैलेंज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उर्वशी रौतेला सिर्फ सुंदरता और ग्लैमर की वजह से नहीं, बल्कि अपनी अथक मेहनत और बहुमुखी प्रतिभा के चलते इंडस्ट्री की शीर्ष परफॉर्मर्स में शामिल हैं। उनके इस वीडियो ने न केवल यादगार पल बनाए हैं बल्कि कई युवा कलाकारों को भी प्रेरित किया है। उर्वशी रौतेला लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह हर बार कुछ नया और ऊर्जावान लेकर आती हैं—और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

गुमनामी की जिंदगी जी रही एक्ट्रेस प्रिया गिल

अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री प्रिया गिल आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 1999 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ तुम' में अभिनय के बाद अभिनेत्री प्रिया गिल अचानक रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन समय के साथ वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं। एक्ट्रेस आज पूरी तरह गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रिया गिल ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों शाहरुख खान और सलमान खान के साथ भी काम किया, लेकिन मायूसी और संघर्ष ने उन्हें कैमरे की चमक से बहुत दूर कर दिया। प्रिया गिल ने 1995 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बनकर मनोरंजन जगत में कदम रखा। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से की। फिल्म में उनकी एक्टिंग की सराहना हुई, लेकिन उन्हें उस फिल्म की तलाश थी जो उनके करियर को नई ऊंचाई दे। यह मौका उन्हें मिला 1999 में आई फिल्म 'सिर्फ तुम' से, जिसमें उन्होंने संजय कपूर के साथ काम किया। फिल्म रिलीज होते ही प्रिया गिल की मीठी मुस्कान, नेचुरल एक्टिंग और सादगी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह रातोंरात स्टार बन गईं। सफलता के इस दौर में प्रिया गिल ने बड़े सितारों के साथ भी बेहतरीन भूमिकाएँ निभाईं। वह 2000 में आई फिल्म 'जोश' में शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी थीं, जो शाहरुख की बहन बनी थीं, लेकिन प्रिया गिल ने बतौर हीरोइन अपनी अलग पहचान छोड़ी। इसके अलावा उन्होंने सलमान खान के साथ 'बड़े दिलवाला' और नागार्जुन जैसे साउथ के सुपरस्टार के साथ फिल्में कीं। हालांकि, 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'बड़े दिलवाला' उनके करियर के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुई। फिल्म असफल रही और इसके बाद उन्हें फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गया।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

महज 20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। हाल ही में दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मनाया। उनका सफर सिर्फ ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा है। दीया को उनकी पहली पहचान 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली, जिसने दर्शकों के दिलों में उन्हें हमेशा के लिए बसा दिया। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए। बचपन की चुनौतियों के बावजूद दीया ने पढ़ाई और करियर दोनों में सफलता हासिल की। उन्होंने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री पूरी की और कॉलेज के दौरान ही एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू कर दी। इसी दौरान वह प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग करने लगीं और कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा बनीं। साल 2000 में दीया ने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम किया और सिर्फ 18 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में उनकी सादगी, आत्मविश्वास और गरिमा की खूब चर्चा हुई। इसी के बाद बॉलीवुड के दरवाजे उनके लिए खुले और 2001 में आई फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' ने उन्हें स्टारडम दिलाया। फिल्म में आर। माधवन और सैफ अली खान के साथ दीया की केमिस्ट्री और उनकी मासूमियत को दर्शकों ने भरपूर पसंद किया। फिल्मी करियर में दीया ने 'संजू', 'थप्पड़', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'एसिड फैक्ट्री', और 'सलाम मुंबई' जैसी फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई। मगर वह कभी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहीं। दीया पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार सक्रिय रही हैं। वह संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई अभियानों का नेतृत्व करती रही हैं। साल 2019 में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'वन इंडिया स्टोरी' की शुरुआत की, जिसके जरिए वह समाज से जुड़े सार्थक कंटेंट बनाने का काम कर रही हैं।

जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर शोभिता धुलिपाला ने दिखाया स्वैग

आमतौर पर साड़ी और लहंगे में नजर आने वाली साउथ की मशहूर एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर ऐसा स्वैग दिखाया कि फैंस उनकी तुलना अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा तक से करने लगे। उनका यह मॉडर्न अवतार देखते ही देखते वायरल हो गया और लोग उनके नए स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नागार्जुन की बहू बनने के बाद से शोभिता का हर लुक लाइमलाइट में रहता है, लेकिन इस बार उनका बदला हुआ स्टाइल सबसे ज्यादा चर्चा में है। उन्होंने ब्लैक लेदर जैकेट, हाई-वेस्ट डेनिम जींस और अंदर ब्लैक टैंक टॉप पहनकर एकदम ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक क्रिएट किया। आउटफिट बेहद सिंपल था, लेकिन इसे जिस अंदाज में उन्होंने कैरी किया, वह उनके पूरे व्यक्तित्व को अलग ही स्तर पर ले गया। उनका पोज़, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज हर फोटो में कूल और स्टाइलिश वाइब दे रहे थे। ब्लैक लेदर जैकेट इस पूरे लुक का सबसे आकर्षक हिस्सा बन गया। इसकी फिटिंग, सिल्वर ज़िप्स और स्टाइलिश कट्स ने उनके बोल्ड अंदाज को और निखारा। वहीं, ब्लैक टैंक टॉप ने उनके लुक में परफेक्ट बोल्डनेस जोड़ दी। प्लेन होने के बावजूद इसका फिट और स्टाइल आउटफिट को खास बना रहा था। हाई-वेस्ट जींस का चुनाव भी बेहतरीन रहा, जिसने उनके मॉडर्न और कंफर्टेबल स्टाइल को पूरा किया। गोल सिल्वर बटन और डीप पॉकेट्स ने जींस को और आकर्षक बनाया, जबकि पॉकेट में हाथ डालकर दिए गए उनके पोज़ तस्वीरों को और भी क्लासी बना रहे थे। शोभिता ने इस पूरे लुक को एक्सेसरीज के साथ ओवरडन नहीं किया। उन्होंने केवल एक चंकी सिल्वर नेकलेस पहना और बाकी ज्वेलरी को पूरी तरह इग्नोर किया। उनकी आंखों पर लगा ब्लैक सनग्लास उनके कूल अंदाज का सबसे बड़ा हाइलाइट बना। साधारण वेस्टर्न आउटफिट को उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ पेश किया, उसने उन्हें और भी गॉर्जियस बना दिया। फैंस उनके इस अवतार पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने उन्हें 'साउथ की प्रियंका चोपड़ा' कहा तो किसी ने 'लेडी सिंघम'। कई लोगों का कहना है कि शोभिता बिना किसी विशेष मेहनत के ही स्टाइलिश और ग्लैमरस दिखने की क्षमता रखती हैं। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस मॉडर्न, bold और कॉन्फिडेंट लुक पर फिदा हो गए हैं। बता दें कि साउथ स्टार नागार्जुन की बड़ी बहू और एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला अक्सर अपने एथनिक और एलीगेंट लुक्स के लिए मशहूर रही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा वेस्टर्न अंदाज अपनाया कि सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने की खुशी के बाद अब दोबारा काम पर लौट आई हैं। कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई को अपनी बेटी सारायाह का स्वागत किया था। माता-पिता बनने के बाद यह पहली बार है जब कियारा मीडिया कैमरों के सामने दिखाई दीं। लगभग पांच महीनों के बाद काम पर वापसी करते हुए कियारा को मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां उन्हें देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए। मदरहुड के बाद कियारा की यह पहली झलक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। फैंस लंबे समय से उनकी स्क्रीन पर वापसी का इंतजार कर रहे थे। मां बनने के बाद कियारा ने काफी समय परिवार को दिया और अब दोबारा अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने की शुरुआत की है। कियारा पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड की टॉप लीग की अभिनेत्रियों में शुमार हो चुकी हैं और उनकी फिल्मों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि ब्रांड्स और फिल्ममेकर्स भी उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि उन्होंने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए सेट पर लौटी हैं, लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह जल्द ही किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं।

डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ: प्राजक्ता कोली

मशहूर यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली कहा कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में यह पहले से कहीं ज्यादा व्यापक, तेज और अनिश्चित हो गया है। एक्ट्रेस प्राजक्ता ने बताया कि डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दस-ग्यारह साल पहले जब उन्होंने शुरुआत की थी तब केवल लॉन्ग-फॉर्म वीडियो ही चलते थे, लेकिन आज दर्शकों का ध्यान कई प्लेटफॉर्म्स में बंट चुका है। नए-नए फॉर्मेट्स और ट्रेंड्स लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे क्रिएटर्स को भी खुद को लगातार अपडेट रखना पड़ता है। उन्होंने 2017 के डिजिटल बूम को इंडस्ट्री का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इसी बूम की वजह से आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है, जहां हर बड़ा ब्रांड भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स के साथ काम करना चाहता है। अपनी जर्नी को वह पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताती हैं। उनके मुताबिक डिजिटल इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप, पैटर्न या रिदम नहीं होता। कभी कुछ वीडियो अच्छा चल जाते हैं और लगता है कि सब सेट हो गया, लेकिन अगला वीडियो आते-आते हालात पूरी तरह बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस फील्ड का यही रोमांच है— यह एक रोलरकोस्टर राइड की तरह है जिसमें हर मोड़ पर नई चुनौती और नया मौका होता है। बीते दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को पहचानना और तुरंत अपनाना जरूरी है। प्राजक्ता ने कहा कि उनके लिए हमेशा यह समझना महत्वपूर्ण रहा कि किस समय क्या चल रहा है, क्या अब काम नहीं कर रहा और फिर बिना रुके नई दिशा की तरफ बढ़ जाना चाहिए। उनकी मान्यता है कि यही एप्रोच उन्हें इंडस्ट्री में लगातार प्रासंगिक बनाए रखती है। डिजिटल स्पेस को वह चुनौतीपूर्ण के साथ-साथ बेहद रोमांचक भी मानती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in